मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 9 अंक 56
गुरुवार, 03 सितम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

सिंधु जल समझौते पर पाकिस्तान ने टेके घुटने, भारत के जवाब के बाद पाक विदेश मंत्रालय ने लगाई गुहार

नई दिल्ली, 02 सितम्बर। भारत ने सोमवार को सिंधु जल संधि पर हेग स्थित इंटरनेशनल ट्रिब्यूनल के फैसले को मानने से इनकार किया था। साथ ही ट्रिब्यूनल की वैधता को भी सिरे से नकार दिया था। भारत के इस कड़े रुख के बाद पाकिस्तान ने बुधवार को भारत से 1960 के जल-बंटवारे समझौते के दायरे में 'रचनात्मक' ढंग से बातचीत करने की अपील की है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने कहा कि परमानेंट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन ने फिर से पुष्टि की है कि संधि पूरी तरह से लागू है और बाध्यकारी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव उपाय करेगा कि फैसला लागू हो। अंद्राबी ने कहा कि पाकिस्तान संधि की भाषा और प्रावधानों के अनुसार, उसे पूरी तरह और सही भावना के साथ लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान भारत से भी इसी तरह का रवैया अपनाने की अपील करता रहेगा, ताकि संधि का पालन उसकी भाषा, भावना और कानूनी प्रावधानों के अनुसार पूरी तरह से किया जा सके।

भारत द्वारा संधि को स्थगित करने के बाद, पाकिस्तान ने मार्च 2026 में हेग स्थित परमानेंट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन का रुख किया था और संधि की स्थिति पर फैसला करने का अनुरोध किया था। हालांकि भारत ने सोमवार को ट्रिब्यूनल के फैसले को खारिज कर दिया है। यह विवाद बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में भी उठा। जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन देशों के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा जो आतंकवाद का इस्तेमाल राज्य की नीति के हथियार के तौर पर करते हैं। पीएम मोदी ने कहा, 'हम केवल कार्रवाई-प्रतिक्रिया के नजरिए तक सीमित नहीं रह सकते।'

उन्होंने आतंकवादी इकोसिस्टम को खत्म करने की बात कही, जिसमें फंडिंग नेटवर्क, भर्ती के तरीके और सुरक्षित ठिकाने शामिल हैं। शिखर सम्मेलन में बोलते हुए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पानी को इस क्षेत्र की 'जीवन रेखा' बताया और कहा कि इसका कभी भी हथियार के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।

राम मंदिर ट्रस्ट की बैठक खत्म, रिटायर्ड एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा होंगे राम मंदिर ट्रस्ट के पहले CEO

अयोध्या, 02 सितम्बर। अयोध्या स्थित राम मंदिर की व्यवस्थाओं में बड़े प्रशासनिक बदलाव की तैयारी है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने रिटायर्ड एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा को ट्रस्ट का पहला मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) नियुक्त करने का फैसला किया है। बुधवार, 2 सितंबर को हुई ट्रस्ट की अहम बैठक में उनके नाम पर मुहर लगाई गई।

रिटायर्ड एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा मूल रूप से उत्तर प्रदेश के देवरिया के रहने वाले हैं। वह 30 अप्रैल 2026 को भारतीय वायुसेना से सेवानिवृत्त हुए हैं। अपने 38 साल से अधिक लंबे सैन्य करियर के दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण कमांड और स्टाफ पदों पर जिम्मेदारियां संभालीं। वह वायुसेना की पश्चिमी कमान के प्रमुख भी रह चुके हैं।

जितेंद्र मिश्रा ने कारगिल युद्ध के दौरान भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसके अलावा, हालिया ऑपरेशन सिंदूर में भी उन्होंने अहम जिम्मेदारी निभाई। उनकी सेवाओं के लिए उन्हें सर्वोत्तम युद्ध सेवा मेडल (SYSM), अति विशिष्ट सेवा मेडल (AVSM) और विशिष्ट सेवा मेडल (VSM) से सम्मानित किया जा चुका है। अपने करियर में वह फाइटर स्क्वाड्रन के कमांडिंग ऑफिसर, एयरक्राफ्ट एंड सिस्टम्स टेस्टिंग एस्टेब्लिशमेंट (ASTE) के चीफ टेस्ट पायलट, दो फ्रंटलाइन एयरबेस के एयर ऑफिसर कमांडिंग और एयर मुख्यालय में कई महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके हैं। वह ASTE के कमांडेंट और इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ में डिप्टी चीफ की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। सेवानिवृत्ति से पहले वह इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ (ऑपरेशन्स) के डिप्टी चीफ थे।

राम मंदिर की व्यवस्थाओं को लेकर सामने आए दान में कथित अनियमितताओं और चोरी के आरोपों के बाद ट्रस्ट की कार्यप्रणाली में बदलाव की जरूरत महसूस की गई। इसके बाद मंदिर की प्रशासनिक व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए एक उएड नियुक्त करने का फैसला लिया गया था। CEO पद के लिए पूर्व IPS अधिकारी राजेश पांडे, पूर्व कअर अधिकारी दिनेश चंद्र, रिटायर्ड IAS अधिकारी योगेश्वर राम मिश्रा और पूर्व IPS अधिकारी परेश सक्सेना समेत कई नामों पर चर्चा हुई। अंत में रिटायर्ड एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा के नाम को मंजूरी दी गई। CEO की नियुक्ति से पहले राम मंदिर ट्रस्ट में तीन नए ट्रस्टी भी शामिल किए गए हैं।

कपिल सिब्बल का बड़ा आरोपः बीजेपी को जिताने के लिए वोटर लिस्ट में हेरफेर की साजिश

नई दिल्ली, 02 सितम्बर। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने बुधवार को आरोप लगाया कि चुनाव आयोग की ओर से वोटर लिस्ट में सुधार के लिए चलाई जा रही 'स्पेशल इंटेंसिव रिविजन' (SIR) का मकसद वोटर लिस्ट में हेर-फेर करना और चुनाव जीतने में इखढ की मदद करना है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से 'बड़ी संख्या में नाम हटाने' (bulk deletions) के मामले में दखल देने की अपील की। सिब्बल का यह बयान एक मीडिया रिपोर्ट के जवाब में आया है, जिसमें आरोप लगाया गया था कि झारखंड के गोड्डा ज़िले में BJP के एजेंट वोटर लिस्ट से नाम हटवाने की कोशिश कर रहे हैं, और इनमें ज्यादातर नाम अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के हैं। बूथ लेवल ऑफिसर (BLO), जो राज्य सरकार के कर्मचारी हैं, ने भी इस मुद्दे पर चिंता जताई है।

पर एक पोस्ट में सिब्बल ने कहा, बाहर करने की राजनीति। मुसलमानों को निशाना बनाते हैं, बड़ी संख्या में नाम हटाने की कोशिश करते हैं। सुप्रीम कोर्ट को इसे रोकना चाहिए! राज्यसभा के निर्दलीय सांसद ने कहा कि SIR एक कवायद हैः वोटर लिस्ट में हेर-फेर करने की। BJP को चुनाव जिताने में मदद करने की! उनके ये बयान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी के पूर्व प्रमुख राहुल गांधी द्वारा चुनाव आयोग पर बीजेपी कुर्सी बचाओ आयोग और वोट चोरी आयोग जैसे आरोप लगाने के एक दिन बाद आए हैं। खड़गे और गांधी ने आरोप लगाया कि बीजेपी वोट चोरी के जरिए भारत के लोकतंत्र को कमजोर करने की साज़िश रच रही है और कहा कि जनता इसके लिए ज़िम्मेदार लोगों को सजा देगी। गांधी ने यह भी आरोप लगाया कि SIR प्रक्रिया के बाद महाराष्ट्र की ड्राफ़्ट वोटर लिस्ट से 2.06 करोड़ से ज्यादा वोटरों के नाम हटा दिए गए। उन्होंने दावा किया कि बीजेपी और वोट चोरी आयोग हर हाल में सत्ताधारी पार्टी की जीत पक्की करने के लिए अपनी रणनीति बदल रहे हैं।

बीसीसीआई की समीक्षा बैठकः रोहित-कोहली और जडेजा के भविष्य पर चर्चा संभव, अजीत अगरकर को लेकर क्या होगा फैसला?

नई दिल्ली, 02 सितम्बर। भारतीय क्रिकेट टीम के हालिया प्रदर्शन और भविष्य की रणनीति को लेकर बीसीसीआई की बहुप्रतीक्षित समीक्षा बैठक आखिरकार गुरुवार को मुंबई में होगी। बोर्ड मुख्यालय में होने वाली इस बैठक में बीसीसीआई के सभी प्रमुख पदाधिकारियों के साथ मुख्य कोच गौतम गंभीर, मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण के शामिल होंगे।

बीसीसीआई की इस बैठक में न्यूजीलैंड के सभी प्रारूपों वाले महत्वपूर्ण दौरे से पहले प्रमुख खिलाड़ियों की चोटों के प्रबंधन और अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप की व्यापक रणनीति पर मुख्य रूप से चर्चा की जाएगी। बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा, श्रीलंका टेस्ट से पहले चयन समिति के प्रमुख को अनौपचारिक रूप से बताया गया था कि जसप्रीत बुमराह अगर दो नहीं तो कम से कम एक टेस्ट खेलने के लिए फिट होंगे। बल्कि उन्होंने बुमराह की अनुपस्थिति को लेकर सीओई को अधिक स्पष्टता मांगते हुए ईमेल भी लिखा था। दूसरे टेस्ट में बुमराह की अनुपस्थिति महसूस हुई, जहां सपाट पिच पर मोहम्मद सिराज काफी खराब लय में नजर आए। यही स्थिति हार्दिक पांड्या की भी है जिन्होंने आईपीएल के बाद से कोई मैच नहीं खेला है और अगले वनडे विश्व कप के लिहाज से उनका महत्वपूर्ण होना तय है।

अगरकर और गंभीर के लिए यह जानना बेहद जरूरी है कि कुछ महत्वपूर्ण खिलाड़ी कब तक उपलब्ध हो सकते हैं क्योंकि बड़े दौरों और आईसीसी के महत्वपूर्ण टूनामेंट के लिए रणनीतिक योजना इसी पर निर्भर करती है। वहीं, बैठक में अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप को ध्यान में रखते हुए तीन दिग्गज खिलाड़ियों रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा के भविष्य पर भी चर्चा होगी। फिलहाल कोहली और जडेजा पर ज्यादा दबाव नहीं है, लेकिन रोहित को लेकर स्थिति अलग है और वह लगातार चर्चा के केंद्र में हैं।

ऐसी अटकलें लगाई जाती रही हैं कि चयन समिति के एक सदस्य ने रोहित को बताया था कि पैनल अब उनसे आगे बढ़ने का फैसला कर चुका है। हाल के इंग्लैंड दौरे में लॉर्ड्स वनडे के बाद रोहित से पूछा गया था कि क्या वह अपने करियर को विराम देने वाले हैं। पूर्व कप्तान और उनके करीबी लोगों ने इस मामले पर चुप्पी साधे रखी। हालांकि ऐसी चर्चा थी कि रोहित नाराज होने के बावजूद इसके लिए तैयार हो गए थे। लेकिन लॉर्ड्स में हार के बावजूद उनके शानदार शतक की वजह से कम से कम फिलहाल उनके संन्यास लेने की संभावना को खारिज कर दिया गया है। इसके बावजूद यह निश्चित तौर पर नहीं कहा जा सकता कि रोहित अगले साल दक्षिण अफ्रीका जाने वाली उड़ान में सवार होंगे। वहीं, मुख्य चयनकर्ता अगरकर का मौजूदा अनुबंध चार अक्तूबर को समाप्त हो रहा है। लेकिन चूंकि उन्हें समीक्षा बैठक के लिए बुलाया जा रहा है इसलिए ऐसा लगता है कि बीसीसीआई वनडे विश्व कप के अंत तक निरंतरता बनाए रखना चाहता है।

'राम धन की चोरी' को न तो भगवान माफ करेंगे और न ही जनता : अखिलेश यादव

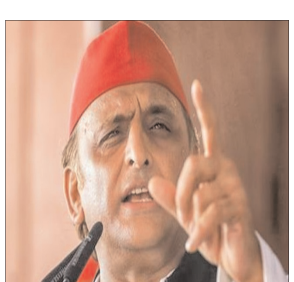

सहारनपुर। समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी के मामले को लेकर सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए बुधवार को कहा कि भाजपा द्वारा किए गए 'आस्था के साथ खिलवाड़' एवं ₹राम धन₹ की चोरी को न तो भगवान माफ करेंगे और न ही जनता। सपा प्रमुख ने सहारनपुर के दौरे के दौरान संवाददाताओं से कहा,"लोग मंदिरों के बाहर बैठकर भीख मांगते हैं, लेकिन वे मंदिर से चोरी नहीं करते।" राम मंदिर चंदे में कथित अनियमितताओं से जुड़े सवालों का जवाब देते हुए यादव ने कहा,"भाजपा ने आस्था और विश्वास के साथ खिलवाड़ किया है और अब ऐसे लोगों को क्लीन चिट भी मिल गई है। क्या इसका मतलब यह है कि वहां कुछ हुआ ही नहीं?

उन्होंने कहा,"लेकिन राम धन की चोरी को कोई माफ नहीं करेगा। न तो भगवान इसे माफ करेंगे और न ही जनता।" पूर्व मुख्यमंत्री ने आरक्षण के विषय पर कहा, "आरक्षण था, आरक्षण है और आरक्षण रहेगा।" उन्होंने आरोप लगाया कि जहां भाजपा आरक्षण के पक्ष में बात करती है, वहीं उसके "अंडरग्राउंड सहयोगी" इसे खत्म करने के लिए काम कर रहे हैं।

कांगो में इबोला का कहर : मौतों का आंकड़ा 3000 के पार, छ हजार से अधिक लोग संक्रमित

कांगो, 02 सितम्बर। अफ्रीकी देश कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में इबोला बीमारी का प्रकोप लगातार भयावह होता जा रहा है। सरकार के ताजा आंकड़ों के अनुसार, इस जानलेवा बीमारी से मरने वालों की संख्या 3,007 तक पहुंच गई है, जबकि अब तक 6,186 लोगों में संक्रमण की पुष्टि हो चुकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी चेतावनी दी है कि यह प्रकोप बेहद तेजी से फैल रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख ने एक सितंबर को बताया था कि कांगो में संक्रमित लोगों की संख्या 6 हजार पार कर चुकी है और करीब 3 हजार लोगों की मौत हो चुकी है। संगठन ने इसे अब तक दर्ज किए गए सबसे तेजी से फैलने वाले इबोला प्रकोपों में से एक बताया है। मौजूदा प्रकोप को कांगो के इतिहास का सबसे बड़ा और सबसे घातक इबोला संकट बताया जा रहा है। यह बीमारी अब देश के छह प्रांतों और 60 स्वास्थ्य क्षेत्रों तक फैल चुकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के 26 अगस्त तक के आंकड़ों में 5,794 संक्रमित और 2,786 मौतें दर्ज थीं। इसके बाद कुछ ही दिनों में संख्या और तेजी से बढ़ी।

इबोला के इस प्रकोप की आधिकारिक घोषणा 15 मई को इतुरी प्रांत में की गई थी। हालांकि कुछ स्वास्थ्य अधिकारियों और विशेषज्ञों का मानना है कि बीमारी का फैलाव जनवरी से ही शुरू हो गया हो सकता है। शुरूआत में संक्रमण सीमित क्षेत्रों में था, लेकिन देखते ही देखते यह देश के कई हिस्सों तक फैल गया। कमजोर स्वास्थ्य व्यवस्था और दूरदराज के इलाकों तक पहुंच की मुश्किल ने बीमारी को नियंत्रित करने की चुनौती बढ़ा दी है।

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
• Std. XI & XII (Sci.)
• NEET
• JEE (Main & Advance)
• MHT-CET
• Polytechnic & Engg
• Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

ऐश्वर्य एवं वैराग्य का अद्भुत संगम है श्रीकृष्ण

-ललित गर्ग

भगवान श्रीकृष्ण भारत की माटी, भारत की आत्मा और भारत के जनजीवन की धड़कन हैं। वे केवल आराधना के देवता नहीं, बल्कि जीवन को देखने की एक दृष्टि, संघर्षों से जूझने की प्रेरणा और भविष्य की ओर बढ़ने की दिशा हैं। वे ऐश्वर्य एवं वैराग्य का अद्भुत एवं निराला संगम हैं। श्रीकृष्ण के बिना भारतीय जीवन-दर्शन की कल्पना अधूरी है। जीवन के लगभग प्रत्येक आयाम-परिवार, समाज, राजनीति, प्रशासन, अर्थव्यवस्था, युद्ध, शांति, प्रेम, मित्रता, कर्तव्य, त्याग, नेतृत्व और आध्यात्मिकता में श्रीकृष्ण के विचारों और आदर्शों की छाप दिखाई देती है। इसीलिए जन्माष्टमी केवल श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव नहीं, बल्कि उनके विचारों को जीवन में उतारने का अवसर है। श्रीकृष्ण भारतीय संस्कृति के ऐसे अद्भुत एवं विलक्षण महानायक हैं, जिनके व्यक्तित्व में विरोधाभास दिखाई देने वाले अनेक गुण एक साथ समाहित हो जाते हैं। वे द्वारका के शासक हैं, लेकिन उन्हें सामान्यतः राजा श्रीकृष्ण नहीं कहा जाता। वे ब्रजनंदन हैं, नंदलाल हैं, कन्हैया हैं, माखनचोर हैं, गोपियों के चितचोर हैं और रासरचैया हैं। यही उनकी महानता है कि सत्ता के शिखर पर पहुंचकर भी वे जनमानस से कभी दूर नहीं हुए। उनका नेतृत्व राजमहलों तक सीमित नहीं था, वह गांवों की गलियों, ग्वाल-बालों, किसानों, पशुपालकों और सामान्य जन के हृदय तक पहुंचता था। श्रीकृष्ण का जीवन हमें सिखाता है कि श्रेष्ठ नेतृत्व केवल अधिकार प्राप्त करने का नाम नहीं, बल्कि जिम्मेदारी निभाने की कला है। उन्होंने सत्ता को कभी व्यक्तिगत सुख का साधन नहीं बनाया। समाज और राष्ट्र की व्यवस्था उनके लिए कर्तव्य थी और धर्म उनकी आत्मनिष्ठा। इसीलिए उन्होंने परिस्थितियों से पलायन नहीं किया। जहां प्रेम की आवश्यकता थी वहां प्रेम दिया, जहां मित्रता की आवश्यकता थी वहां मित्र बने, जहां संवाद जरूरी था वहां संवाद किया और जहां अधर्म का प्रतिकार आवश्यक हुआ वहां अत्यंत कठोर होकर सामने आए। यही संतुलन कुशल नेतृत्व की सबसे बड़ी पहचान है। आज प्रबंधन की दुनिया में निर्णय क्षमता, समय-प्रबंधन, संकट-प्रबंधन, नेतृत्व, संवाद-कौशल, मनोविज्ञान और रणनीति को सफलता की अनिवार्य शर्त माना जाता है। इन सभी क्षेत्रों में श्रीकृष्ण का जीवन असाधारण उदाहरण प्रस्तुत करता है। कुरुक्षेत्र में अर्जुन जब मोह और मानसिक द्वंद्व से घिरकर अपने कर्तव्य से विमुख होने लगे, तब श्रीकृष्ण ने उन्हें केवल युद्ध के लिए प्रेरित नहीं किया, बल्कि जीवन का विराट दर्शन दिया। उन्होंने अर्जुन को कर्म का मर्म समझाया-मनुष्य का अधिकार कर्म पर है, परिणाम पर नहीं। यह संदेश आज भी हर विद्यार्थी, कर्मचारी, उद्यमी, प्रशासक, राजनीतिज्ञ और सामान्य व्यक्ति के लिए उतना ही उपयोगी है।

हमारी सबसे बड़ी कमजोरी अक्सर कर्म से अधिक परिणाम की चिंता होती है। परिणाम की चिंता मन को भय, तनाव और असमंजस से भर देती है। श्रीकृष्ण का कर्मयोग इस मानसिक बोझ से मुक्ति का मार्ग देता है। अपने कर्तव्य को पूरी निष्ठा, क्षमता और ईमानदारी से करना और परिणाम को व्यापक व्यवस्था पर छोड़ देना-यह जीवन-प्रबंधन का ऐसा सूत्र है जिसकी उपयोगिता कभी समाप्त नहीं हो सकती। श्रीकृष्ण की सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक थी-स्थिर बुद्धि। शिशुपाल ने राजसूय यज्ञ की सभा में उन्हें लगातार अपमानित किया, फिर भी वे शांत रहे। दुर्योधन के दरबार में शांति-दूत बनकर गए और वहां भी उनका अपमान हुआ, लेकिन वे विचलित नहीं हुए। इससे हमें सीख मिलती है कि उत्तेजना में लिया गया निर्णय प्रायः समस्या बढ़ाता है, जबकि शांत मन समाधान का रास्ता खोलता है। आधुनिक परिवारों से लेकर संसद, प्रशासन और अंतरराष्ट्रीय संबंधों तक, यह प्रबंधन-सूत्र आज भी उतना ही प्रासंगिक है।

श्रीकृष्ण केवल युद्धनीति के ज्ञाता नहीं थे, वे शांति के भी सबसे बड़े समर्थक थे। महाभारत का युद्ध उनकी पहली पसंद नहीं था। उन्होंने युद्ध रोकने के लिए हर संभव प्रयास किया। जब संवाद और न्याय की संभावनाएं समाप्त हो गईं, तभी धर्म की रक्षा के लिए युद्ध का मार्ग स्वीकार किया गया। इससे स्पष्ट होता है कि शक्ति का अर्थ हिंसा नहीं, बल्कि न्याय की रक्षा करने की क्षमता है। सच्ची शांति वही है जिसके पीछे न्याय और आत्मबल की शक्ति हो। श्रीकृष्ण का सामाजिक दृष्टिकोण भी अत्यंत व्यापक था। उन्होंने ग्रामीण जीवन, गौ-संस्कृति, प्रकृति और सामुदायिक जीवन को सम्मान दिया। गोवर्धन प्रसंग हमें प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और सामुदायिक एकता का संदेश देता है। माखन और दूध-दही के प्रसंगों को केवल बाल-क्रीड़ा के रूप में देखने के बजाय उनमें ग्रामीण अर्थव्यवस्था और स्थानीय संसाधनों की रक्षा का संदेश भी देखा जा सकता है। श्रीकृष्ण का लोकजीवन से जुड़ाव बताता है कि कोई भी राष्ट्र तभी मजबूत बन सकता है जब उसकी विकास-यात्रा गांवों, किसानों, श्रमिकों और सामान्य नागरिकों को साथ लेकर चले। उनका व्यक्तित्व एक अद्भुत समन्वय है। वे अर्जुन के सारथी हैं और साथ ही विश्वरूप के दर्शन कराने वाले योगेश्वर। वे सुदामा के मित्र हैं और अत्याचारियों के लिए सुदर्शन चक्रधारी। वे बांसुरी की मधुरता हैं तो धर्मरक्षा के लिए आवश्यक कठोरता भी। वे प्रेम हैं, करुणा हैं, नीति हैं, रणनीति हैं, त्याग हैं और कर्म हैं। इसीलिए, श्रीकृष्ण को किसी एक सीमा में बांधना उनके विराट व्यक्तित्व को छोटा करना होगा।

श्रीकृष्ण का एक महत्वपूर्ण संदेश है कि व्यक्ति को अपनी क्षमताओं का बहुआयामी विकास करना चाहिए। परंपरा में उनके द्वारा चौंसठ कलाओं के ज्ञान का उल्लेख मिलता है। इसका व्यापक संदेश यह है कि शिक्षा केवल रोजगार पाने का साधन नहीं, बल्कि व्यक्तित्व को पूर्ण बनाने की प्रक्रिया है। आज के समय में जब शिक्षा को केवल अंक, नौकरी और प्रतियोगिता तक सीमित करने का खतरा है, श्रीकृष्ण का जीवन हमें ज्ञान, कला, कौशल, सृजनशीलता और चरित्र के समन्वय की प्रेरणा देता है। श्रीकृष्ण की राजनीति सत्ता प्राप्ति की राजनीति नहीं, बल्कि लोककल्याण और धर्मस्थापना की राजनीति थी। उनके जीवन से हमें यह सूत्र मिलता है कि सत्ता पर नैतिकता का अंकुश होना चाहिए और शक्ति का उपयोग जनहित के लिए होना चाहिए। आज भारत विकसित भारत के 2047 के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। आर्थिक शक्ति, विज्ञान, तकनीक, रक्षा, शिक्षा, संस्कृति और सामाजिक समरसता-हर क्षेत्र में भारत नई संभावनाओं की ओर बढ़ रहा है। ऐसे समय में श्रीकृष्ण का दर्शन हमें बताता है कि विकास केवल भौतिक समृद्धि का नाम नहीं है। विकास तब सार्थक होगा जब उसमें चरित्र होगा, कर्तव्य होगा, करुणा होगी, न्याय होगा और अंतिम व्यक्ति के जीवन में भी आशा का प्रकाश पहुंचेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर और सशक्त भारत के निर्माण की जो व्यापक यात्रा चल रही है, उसमें श्रीकृष्ण के कर्म, कर्तव्य, रणनीति, राष्ट्रहित और लोककल्याण के आदर्शों से प्रेरणा लेने की बड़ी संभावनाएं हैं।

अंतरराष्ट्रीय जीवन में भी श्रीकृष्ण का संदेश महत्वपूर्ण है। आज दुनिया संघर्षों, युद्धों, अविश्वास और शक्ति-संघर्षों से जूझ रही है। ऐसे समय में श्रीकृष्ण की नीति कहती है-पहले संवाद, फिर समन्वय और अंततः न्याय की रक्षा के लिए आवश्यक शक्ति। भारत यदि विश्व में शांति, सह-अस्तित्व और मानवकल्याण का मार्ग प्रशस्त करना चाहता है तो उसे अपनी सांस्कृतिक चेतना के इस महान स्रोत से ऊर्जा लेनी होगी। श्रीकृष्ण हमें यह भी सिखाते हैं कि जीवन केवल सुख का नाम नहीं है। संघर्ष आएंगे, परिस्थितियां बदलेंगी, प्रियजन दूर होंगे, संकट सामने खड़े होंगे, लेकिन मनुष्य को अपने धर्म और कर्तव्य से विचलित नहीं होना चाहिए। यही कारण है कि गीता का संदेश किसी एक युग, धर्म या समुदाय के लिए नहीं, बल्कि समूची मानवता के लिए जीवन का मार्गदर्शन बन गया है।

जन्माष्टमी के अवसर पर हमें केवल मंदिरों में घंटियां नहीं बजानी हैं, बल्कि अपने भीतर के अंधकार को भी पहचानना है। हमारे भीतर का कंस अहंकार हो सकता है, लोभ हो सकता है, क्रोध हो सकता है, भय हो सकता है और स्वार्थ भी। हमारे भीतर का अर्जुन भ्रमित और कमजोर हो सकता है। ऐसे में हमें अपने भीतर के श्रीकृष्ण को जगाना होगा-विवेक के रूप में, कर्म के रूप में, साहस के रूप में, प्रेम के रूप में और सत्य के रूप में। श्रीकृष्ण कोई बीता हुआ इतिहास नहीं हैं। वे भारतीय चेतना की सतत प्रवाहित जीवन-ऊर्जा हैं। वे केवल एक महानायक नहीं, बल्कि जीवन के महाप्रबंधक हैं। केवल धर्म के उपदेशक नहीं, बल्कि कर्म की प्रेरणा हैं। केवल बांसुरी की मधुर धुन नहीं, बल्कि अन्याय के विरुद्ध उठने वाला सुदर्शन भी हैं। श्रीकृष्ण एक व्यक्ति नहीं, एक दृष्टि हैं। श्रीकृष्ण एक कथा नहीं, एक चेतना हैं। श्रीकृष्ण केवल आराध्य नहीं, जीवन को श्रेष्ठ बनाने की प्रेरणा हैं।

सुरक्षित भारत, सशक्त नेतृत्वः आतंकवाद पर मोदी सरकार का कड़ा प्रहार

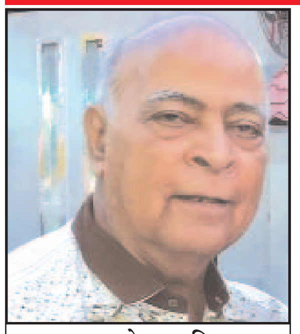
अशोक भाटिया

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की विदेश नीति और आंतरिक सुरक्षा ने एक ऐतिहासिक और युगांतरकारी मोड़ लिया है। 'राष्ट्र सर्वोपरि' की भावना से अनुप्राणित प्रधानमंत्री मोदी का रणनीतिक दृष्टिकोण भारत को एक मूक दर्शक या केवल प्रतिक्रिया देने वाले राष्ट्र की छवि से बाहर निकालकर एक सक्रिय, दृढ़ और निर्णय लेने वाले वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित करता है। इस रणनीतिक दृष्टिकोण का सबसे प्रखर और स्पष्ट रूप आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस यानी शून्य सहिष्णुता की नीति के रूप में दिखाई देता है। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में भारत ने अपनी रक्षात्मक नीति का परित्याग कर 'आक्रामक-रक्षात्मक' रणनीति को अंगीकार किया है, जिसका सीधा अर्थ है कि भारत अब संकट के समय केवल अपनी सीमाओं की रक्षा नहीं करता, बल्कि संकट के मूल स्रोत पर प्रहार करने की क्षमता रखता है। इस नीति ने अंतरराष्ट्रीय पटल पर भारत की साख को अभूतपूर्व रूप से सुदृढ़ किया है और देश की संप्रभुता को अक्षुण्ण बनाए रखने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है।

प्रधानमंत्री मोदी के रणनीतिक विजन का मुख्य स्तंभ रणनीतिक स्वायत्तता है। इसका तात्पर्य यह है कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखते हुए बिना किसी वैश्विक दबाव के अपनी सुरक्षा और विदेश नीतियां स्वयं निर्धारित करता है। अतीत में भारत की पहचान अक्सर एक ऐसे राष्ट्र की थी जो आतंकी घटनाओं के पश्चात वैश्विक समुदाय से गुहार लगाता था अथवा केवल राजनयिक विरोध दर्ज कराता था। इस दृष्टिकोण को रणनीतिक हलकों में 'रणनीतिक संयम' कहा जाता था। परंतु प्रधानमंत्री मोदी ने इस परिपाटी को पूरी तरह से बदल दिया। उन्होंने वैश्विक मंचों से यह स्पष्ट उद्घोष किया कि आतंकवाद और द्विपक्षीय बातचीत कभी भी एक साथ नहीं चल सकते। सुरक्षा और विकास के इस अनूठे समन्वय ने देश के भीतर एक ऐसे सुदृढ़ वातावरण का निर्माण किया है, जहां आर्थिक प्रगति और आंतरिक सुरक्षा एक दूसरे के पूरक बनकर उभर रहे हैं।

आतंकवाद के विरुद्ध इस कड़े प्रहार का सबसे पहला और जीवंत उदाहरण वर्ष २०१६ में उरी सैन्य शिविर पर हुए कायरतापूर्ण हमले के पश्चात देखने को मिला। भारतीय सेना के विशेष बलों ने नियंत्रण रेखा पार कर आतंकियों के लॉन्च पैड्स को ध्वस्त कर दिया। इस सर्जिकल स्ट्राइक ने दुनिया को यह कड़ा संदेश दिया कि भारत अपनी रक्षा के लिए सीमाओं के बंधन को आड़े नहीं आने देगा। इसके पश्चात वर्ष २०१९ में पुलवामा में हुए आत्मघाती हमले का उत्तर देते हुए भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के बालाकोट के भीतर घुसकर जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी प्रशिक्षण शिविरों पर हवाई हमला किया। इस साहसिक कदम ने न केवल सीमा पार बैठे आकाओं के हौसले पस्त किए, बल्कि दुश्मन देश के परमाणु ब्लैकमेल के मिथक को भी हमेशा के लिए समाप्त कर दिया। इन दोनों घटनाओं ने वैश्विक सैन्य इतिहास में भारत की एक नई और आक्रामक छवि को रेखांकित किया।

आंतरिक सुरक्षा के मोर्चे पर प्रधानमंत्री मोदी के रणनीतिक दृष्टिकोण ने देश के भीतर छिपे देशविरोधी तत्वों और उनके वित्तीय तंत्र पर चौतरफा प्रहार किया है। इस दिशा में ५ अगस्त २०१९ को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद ३७० और ३५ए का उन्मूलन करना आधुनिक भारत के इतिहास का सबसे साहसिक राजनीतिक और रणनीतिक निर्णय था। इस कदम ने उस संवैधानिक विसंगति को सदैव के लिए समाप्त कर दिया, जिसका अनुचित लाभ उठाकर अलगाववादी और सीमा पार के तत्व घाटी के युवाओं को गुमराह करते थे। इस ऐतिहासिक निर्णय के फलस्वरूप कश्मीर में पथराव की घटनाएं पूरी तरह समाप्त हो चुकी हैं, स्थानीय आतंकी भर्ती में ऐतिहासिक गिरावट आई है और यह क्षेत्र अब अशांति के दौर से निकलकर पर्यटन और आर्थिक विकास के एक नए युग में प्रवेश कर चुका है।

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

इसी प्रकार देश के एक बड़े भूभाग को प्रभावित करने वाले वामपंथी उग्रवाद अर्थात नक्सलवाद पर भी केंद्र सरकार ने अत्यंत कठोरता से नकेल कसी है। सरकार ने इसके लिए 'कड़ी सुरक्षा कार्रवाई' और 'तीव्र विकास' की दोहरी नीति अपनाई। गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार पिछले एक दशक में नक्सली हिंसा की घटनाओं में सत्तर प्रतिशत से अधिक की कमी दर्ज की गई है। सुरक्षा बलों ने उन सुदूर और दुर्गम क्षेत्रों में अपने शिविर स्थापित किए हैं, जिन्हें कभी नक्सलियों का अभेद्य गढ़ माना जाता था। इसके साथ ही देश के भीतर सक्रिय स्लीपर सेल्स और अफवाह तंत्र पर प्रतिबंध लगाकर उनके राष्ट्रविरोधी मंसूबों को समय रहते निष्प्रभावी कर दिया गया है।

आतंकवाद को जीवित रखने वाले सबसे महत्वपूर्ण कारक यानी 'टेरर फंडिंग' पर भी सरकार ने आर्थिक सर्जिकल स्ट्राइक की है। विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम में व्यापक संशोधन कर-के उन गैर-सरकारी संगठनों के वित्तीय स्रोतों को बंद कर दिया गया जो विदेशों से धन प्राप्त कर उसका उपयोग देश विरोधी गतिविधियों में करते थे। राष्ट्रीय जांच एजेंसी को असीमित शक्तियां प्रदान की गईं, जिससे वे देश के बाहर भी भारतीयों के खिलाफ हुए आतंकी मामलों की स्वायत्तता से जांच कर सकें और आतंकियों की संपत्तियों को सीधे कुर्क कर सकें। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स के मंच का प्रभावी उपयोग करते हुए भारत ने पाकिस्तान के आतंकी वित्तपोषण को बेनकाब किया, जिसके कारण वह देश दीर्घकाल तक वैश्विक प्रतिबंधों की सूची में बना रहा और उसकी अर्थव्यवस्था पंगु हो गई।

वैश्विक कूटनीति के पटल पर प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद की परिभाषा को लेकर महाशक्तियों के दोहरे मापदंडों को निरंतर चुनौती दी है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र, जी२०, ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन जैसे हर महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मंच से यह संदेश दिया कि आतंकवाद पूरी मानवता के लिए खतरा है और इसमें 'अच्छे आतंकवाद' या 'बुरे आतंकवाद' जैसी कोई श्रेणी नहीं हो सकती। भारत ने नई दिल्ली में 'नो मनी फॉर टेरर' सम्मेलन की मेजबानी कर वैश्विक वित्तीय प्रणाली को आतंकियों की पहुंच से दूर रखने की रूपरेखा तैयार की। प्रधानमंत्री के व्यक्तिगत कूटनीतिक प्रयासों के कारण आज अमेरिका, फ्रांस और खाड़ी देशों के साथ भारत का खुफिया समन्वय अत्यंत सुदृढ़ हुआ है, जिससे भगोड़े अपराधियों का प्रत्यर्पण अत्यंत सुगम हो गया है।

एक सशक्त रणनीतिक विजन तब तक पूर्ण नहीं हो सकता जब तक देश रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर न हो। प्रधानमंत्री मोदी ने इस वास्तविकता को स्वीकार करते हुए 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के अंतर्गत रक्षा विनिर्माण को स्वदेशी रूप दिया। सकारात्मक स्वदेशीकरण सूचियों के माध्यम से हजारों सैन्य उपकरणों के आयात पर प्रतिबंध लगाया गया, जिससे उनका निर्माण अब भारत की धरती पर हो रहा है। भारतीय सेनाओं को राफेल विमान, एस-४०० मिसाइल प्रणाली और स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत जैसे आधुनिक हथियारों से सुसज्जित किया गया है। आज भारत केवल हथियारों का आयातक नहीं रहा, बल्कि ब्रह्मोस मिसाइल जैसी उन्नत तकनीक का निर्यात कर दुनिया के अग्रणी रक्षा निर्यातकों की श्रेणी में सम्मिलित हो रहा है।

बदलते समय के साथ आतंकवाद का स्वरूप भी डिजिटल और तकनीकी हो गया है। आज साइबर युद्ध, क्रिप्टोकरेंसी और ड्रोन्स के माध्यम से सुरक्षा को नई चुनौतियां मिल रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी का 'विजन २.०' इन उभरते खतरों से निपटने के लिए देश को तैयार कर रहा है। राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा रणनीति को सुदृढ़ किया गया है और सीमाओं पर अत्याधुनिक एंटी-ड्रोन प्रणालियां तैनात की गई हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डेटा एनालिटिक्स के माध्यम से सोशल मीडिया पर फैलाए जाने वाले दुष्प्रचार और कट्टरपंथ को रोकने के प्रयास किए जा रहे हैं।

निष्कर्ष के रूप में यह कहा जा सकता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रणनीतिक दृष्टिकोण २१वीं सदी के एक नए, आत्मविश्वासी और संप्रभु भारत की साख स्थापित करता है। आतंकवाद पर उनका यह कड़ा प्रहार यह प्रमाणित करता है कि भारत शांति का उपासक अवश्य है, परंतु अपनी क्षेत्रीय अखंडता और नागरिकों के प्राणों की आहुति देकर वह कभी भी किसी कायरता को सहन नहीं करेगा। सैन्य पराक्रम से लेकर विधायी सुधारों तक और आर्थिक प्रतिबंधों से लेकर वैश्विक कूटनीति तक, भारत ने यह सिद्ध कर दिया है कि उसके पास देश की रक्षा के लिए अटूट राजनीतिक इच्छाशक्ति और अद्वितीय सामरिक सामर्थ्य दोनों उपलब्ध हैं।

बहुत गहरी हैं दलित विरोधी मानसिकता की जड़ें

उत्तराखंड के हल्द्वानी रामलीला मैदान में गत 8 अगस्त को कांग्रेस पार्टी द्वारा 'विजय शंखनाद रैली' का आयोजन किया गया था। इस रैली को मुख्य रूप से कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने संबोधित किया था। इसके बाद 11 अगस्त को उसी मंच पर 'श्री राम सेना धर्मार्थ सेवा न्यास' नाम के संगठन से जुड़े कुछ लोगों ने मंच पर गंगाजल छिड़का, उसकी सफाई की और हवन,यज्ञ किया। इसे 'शुद्धिकरण' आयोजन का नाम दिया गया । इसके बाद कांग्रेस ने इसे दलित अपमान के रूप में मुद्दा बनाया। स्वयं मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में इस मुद्दे को उठाते हुये भावुक होकर कहा कि ऽइस शुद्धिकरण ने मुझे छुआछूत के डंक का अहसास कराया है और मेरा गहरा अपमान किया है। मैं एक दलित समाज से आता हूँ, इसलिए भाजपा विचारधारा के लोगों ने यह कृत्य कियाऽ। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने भी इसे सीधे तौर पर दलित समाज का अपमान और संविधान विरोधी मानसिकता करार दिया। राहुल गांधी ने आरोपियों के खिलाफ रउ/रळ एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की। उत्तराखंड सहित देश के विभिन्न शहरों व जिलों में कांग्रेस कार्यकताओं ने इस घटना के विरोध में जमकर प्रदर्शन किए और सचिवालय कूच किया। युवा कांग्रेस के कार्यकताओं ने दिल्ली के झंडेवालान स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मुख्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान युवा कांग्रेस के कार्यकताओं ने 'मनुस्मृति' की प्रतियां और उसके अनेक पन्ने जलाये। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि यह लड़ाई दो विचारधाराओं के बीच है। एक विचारधारा बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के संविधान की है, जबकि दूसरी भाजपा और आरएसएस की है जो मनुस्मृति के आधार पर देश चलाना चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि खड़गे के भाषण के बाद मंच को अपवित्र मानकर गंगाजल से उसका शुद्धिकरण करना देश के करोड़ों दलितों, आदिवासियों,पिछड़ों व उनकी अस्मिता का अपमान है। नागपुर स्थित संघ के केंद्रीय मुख्यालय के बाहर भी मनुस्मृति जलाकर विरोध दर्ज कराया गया। गोया 'शुद्धिकरण' की इस घटना को लेकर उपजा राजनीतिक विवाद इस समय देश के सबसे बड़े राजनैतिक मुद्दों में से एक बन गया है।

देश में इसतरह के कई ऐसे 'हाई प्रोफाइल' मामले सार्वजनिक होते हैं जो संघ व भाजपा से जुड़े नेताओं की दलित विरोधी मानसिकता को उजागर करते रहते हैं। दलित कार्यकर्ता, लेखक और पत्रकार भंवर मेघवंशी को ही देख लीजिये। उन्होंने मात्र 13 वर्ष की आयु में 1987 में आरएसएस की शाखा में जाना शुरू किया था। मेघवंशी संगठन में भीलवाड़ा के जिला प्रमुख के पद तक पहुंचे और 1990 के राम जन्मभूमि आंदोलन में एक सक्रिय कारसेवक के रूप में भी भाग लिया। परन्तु ऐसे समर्पित स्वयंसेवक को जातिगत भेदभाव के कारण हमेशा के लिए संघ से नाता तोड़ना पड़ा। संघ छोड़ने के मुख्य कारणों को उन्होंने अपनी चर्चित आत्मकथा ऽमैं एक कारसेवक थाऽ में बयान किया है। उन्होंने लिखा है कि राम मंदिर आंदोलन के दौरान जब संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी उनके गृह जिले भीलवाड़ा (राजस्थान) आए, तो उन्होंने बड़े उत्साह से अपने घर पर भोजन तैयार करवाया। परन्तु संघ के वरिष्ठ 'सवर्ण 'नेताओं ने उनके घर आकर भोजन करने से यह कहते हुये साफ इनकार कर दिया कि वे समय की कमी के कारण भोजन पैक करवाकर साथ ले जा रहे हैं। बाद में संघ के उन्हीं 'सवर्ण' नेताओं ने उनके घर का बना वह भोजन खाया नहीं, बल्कि उसे एक नाली में फेंक दिया। इस घटना से उन्हें यह एहसास हुआ कि हिंदू राष्ट्र की बात करने वाले संगठन में आज भी छुआछूत और भेदभाव कायम है। उन्होंने अपना व्यक्तिगत अनुभव साँझा करते हुये लिखा कि आरएसएस के भीतर एक आंतरिक ब्राह्मणवादी पदानुक्रम काम करता है। दलित होने के कारण ही उन्हें संघ का 'प्रचारक' बनने का दर्जा भी नहीं दिया गया। उन्होंने यह भी महसूस किया कि संघ की शाखाओं और बौद्धिकों में अन्य धर्मों विशेषकर अल्पसंख्यकों के प्रति नफरत का भाव भरा जाता है। उन्हें लगने लगा कि संगठन समाज को जोड़ने के बजाय वैचारिक रूप से विभाजित कर रहा है, जो उनकी खुद की अंतरात्मा को स्वीकार नहीं था। उन्हें यह एहसास हुआ कि संघ में रहकर जिस 'हिंदू राष्ट्र' और समानता के दावे के लिए वे लड़ रहे थे, उसमें एक दलित के रूप में उनकी सामाजिक हैसियत को स्वीकार नहीं किया जा रहा था।

-निर्मल रानी

इन अपमानजनक घटनाओं और भेदभाव को इस तरह भी समझा जा सकता है कि गाँवों और अर्ध-शहरी इलाकों में दलितों को उनकी सामाजिक स्थिति का एहसास कराने के लिए कई अमानवीय प्रथाओं और पाबंदियों का सामना करना पड़ता है। उदाहरणतः कई राज्यों में दलित दूल्हे द्वारा शादी में घोड़ी चढ़ने या सज-धज कर बारात निकालने पर सवर्णों द्वारा हमले या पत्थरबाजी की जाती है। दलित युवाओं द्वारा मूंछ रखने, महंगे जूते पहनने, अथवा सवर्णों के सामने पैर पर पैर रखकर बैठने पर मारपीट और जानलेवा हमलों की घटनाएं प्रकाश में आती रही हैं। अनेक सार्वजनिक कुओं, हैंडपंपों, तालाबों या मंदिरों में दलितों के प्रवेश को लेकर आज भी हिंसक टकराव होते हैं। शिक्षण संस्थानों तक में दलित छात्र जातिगत पूर्वाग्रहों और अपमान का शिकार होते हैं। कई सरकारी स्कूलों में दलित बच्चों को भोजन की कतार में अलग बैठाने, उनके द्वारा बनाए गए भोजन को सवर्ण बच्चों द्वारा न खाने, या उन्हें अलग बर्तनों में खाना देने की घटनाएं सामने आती रहती हैं। कई बार दलित छात्रों को पढ़ाई के बजाय स्कूल या कॉलेज के शौचालय और परिसर साफ करने के लिए मजबूर किया जाता है। आईआईटी,एम्स,और केंद्रीय विश्वविद्यालयों में प्रोफेसरों या सहपाठियों द्वारा योग्यता पर सवाल उठाने और जातिसूचक टिप्पणियों के कारण कई मेधावी दलित छात्रों को आत्महत्या तक के लिए मजबूर होना पड़ा है। दलित महिलाएं लैंगिक और जातिगत दोनों स्तरों पर दोहरे शोषण का शिकार होती हैं। हाथरस और खैरलांजी जैसी ऐतिहासिक और भयावह घटनाओं से लेकर रोजमर्रा की अनेक घटनाओं तक, दलित महिलाओं को डराने, दबाने और पूरे दलित समुदाय को 'सबक सिखाने' के लिए यौन हिंसा को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। आम मामलों की तुलना में दलित महिलाओं के साथ हुए यौन अपराधों में दोषियों को सजा मिलने की दर बेहद कम अर्थात करीब 2% से भी कम रहती है, क्योंकि स्थानीय स्तर पर पुलिस और व्यवस्था में रसूखदार लोगों का प्रभाव होता है। उचित मजदूरी मांगने या अपनी जमीन पर दावा ठोकने पर दलित बस्तियों पर हमले, आगजनी और उनके घरों को फूंकने की सामूहिक हिंसा तमिलनाडु व बिहार के कई ऐतिहासिक मामले में देखी गई है। सवर्णों की बात न मानने या उनके खिलाफ पुलिस केस दर्ज कराने पर पूरी दलित बस्ती का सामाजिक बहिष्कार कर दिया जाता है। इस तरह के तमाम हालात इस निष्कर्ष पर पहुँचने के लिये पर्याप्त हैं कि हमारे देश में दलित विरोधी मानसिकता की जड़ें बहुत गहरी हैं।

शहरी बाढ़ः बारिश का संकट या नियोजन की विफलता?

भारत के शहर हर मानसून में एक ही कहानी दोहराते दिखाई देते हैं—कुछ घंटों की तेज बारिश, सड़कों पर जमा पानी, जाम में फँसी गाड़ियाँ, डूबते अंडरपास, घरों और दुकानों में घुसता पानी और प्रशासन की ओर से राहत एवं निकासी की कवायद। दिल्ली-एनसीआर और गुरुग्राम जैसे तेजी से विकसित होते महानगरीय क्षेत्र इसका उदाहरण हैं। सवाल यह है कि क्या इन शहरों में बाढ़ केवल अत्यधिक बारिश का परिणाम है? जवाब है—नहीं। शहरी बाढ़ प्राकृतिक वर्षा और मानवीय अव्यवस्था के बीच पैदा हुआ संकट है। बदलते मौसम ने खतरा जरूर बढ़ाया है, लेकिन खराब शहरी नियोजन और कमजोर शासन व्यवस्था ने उसे आपदा में बदलने का काम किया है।

शहरी बाढ़ उस स्थिति को कहा जाता है जब वर्षा का पानी शहर की जल निकासी, जमीन में पानी के रिसाव और प्राकृतिक अथवा कृत्रिम जल-संग्रहण क्षमता से अधिक हो जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में पानी को खेतों, तालाबों और प्राकृतिक नालों के माध्यम से फैलने और जमीन में समाने की जगह मिल जाती है, लेकिन शहरों में बढ़ता कंक्रीटीकरण पानी के प्राकृतिक रास्ते बंद कर देता है। परिणामस्वरूप थोड़ी अवधि में हुई अत्यधिक बारिश भी व्यापक जलभराव पैदा कर देती है।

भारत के शहरों के बाढ़-प्रवण होने का पहला बड़ा कारण बदलते वर्षा पैटर्न हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण कई क्षेत्रों में कम समय में बहुत अधिक बारिश होने की घटनाएँ बढ़ रही हैं। पुराने समय के औसत वर्षा आंकड़ों के आधार पर तैयार की गई जल निकासी प्रणालियाँ ऐसी तीव्र बारिश को संभालने में सक्षम नहीं हैं। दिल्ली-एनसीआर में तीव्र मानसूनी बारिश इसका उदाहरण है। समस्या केवल कुल वर्षा की मात्रा की नहीं, बल्कि बारिश के कम समय में अत्यधिक केंद्रित हो जाने की भी है।

दूसरा बड़ा कारण तेजी से बढ़ता कंक्रीटीकरण है। गुरुग्राम जैसे शहरों में पिछले कुछ दशकों में आवासीय कॉलोनियों, ऊँची इमारतों, व्यावसायिक परिसरों और सड़कों का तेजी से विस्तार हुआ है। पहले जो जमीन बारिश के पानी को सोखती थी, वह अब सीमेंट और डामर से ढकी है। इससे भूजल पुनर्भरण घटता है और सतही बहाव बढ़ जाता है। जब बड़ी मात्रा में पानी एक साथ सड़कों और नालियों की ओर आता है, तो जल निकासी तंत्र जल्दी ही जवाब दे देता है।

प्राकृतिक नालों और जल-मार्गों पर अतिक्रमण भी शहरी बाढ़ को गंभीर बनाता है। शहरों का विकास अक्सर इस तथ्य को नजरअंदाज कर देता है कि हर जलधारा का अपना प्राकृतिक प्रवाह क्षेत्र होता है। नालों को संकरा करना, उन्हें ढक देना या उनके किनारे निर्माण करना पानी के बहाव में बाधा डालता है। इसी तरह तालाबों, झीलों और आर्द्रभूमियों का खत्म होना शहरों से प्राकृतिक जल-संग्रहण क्षेत्र छीन लेता है। दिल्ली-एनसीआर में आर्द्रभूमियों और जल निकायों का क्षरण इसी समस्या की ओर संकेत करता है।

-प्रियंका सौरभ

कमजोर और असंगठित स्टॉर्म-वॉटर ड्रेनेज व्यवस्था समस्या को और बढ़ाती है। अनेक शहरों में नालियों की क्षमता स्थानीय जरूरतों और वर्तमान वर्षा परिस्थितियों के अनुरूप नहीं बढ़ाई गई है। कई स्थानों पर सीवर और वर्षा जल निकासी की प्रणालियाँ आपस में जुड़ी हुई हैं, जिससे भारी बारिश के दौरान दोनों व्यवस्थाएँ प्रभावित होती हैं। इसके अतिरिक्त प्लास्टिक और अन्य ठोस कचरा नालियों को अवरुद्ध कर देता है। यानी बारिश जितनी बड़ी समस्या है, उतनी ही बड़ी समस्या वह कचरा भी है जिसे हम स्वयं जल निकासी तंत्र में पहुँचा देते हैं।

इसलिए शहरी बाढ़ को केवल प्राकृतिक आपदा मानना उचित नहीं है। यह शासन की विफलता भी है। शहरों में सड़क, भवन निर्माण, जल निकासी, भूमि उपयोग, पर्यावरण और आपदा प्रबंधन की जिम्मेदारियाँ अक्सर अलग-अलग एजेंसियों में बँटी होती हैं। जब किसी क्षेत्र में जलभराव होता है तो जिम्मेदारी तय करना मुश्किल हो जाता है। समन्वय के अभाव में एक विभाग सड़क बनाता है, दूसरा नाला बनाता है और तीसरा भूमि उपयोग की अनुमति देता है, लेकिन पूरे जलग्रहण क्षेत्र को एक इकाई मानकर योजना नहीं बनाई जाती।

शहरों के मास्टर प्लान में भी बाढ़ जोखिम और जलग्रहण क्षेत्रों को पर्याप्त महत्व नहीं मिलता। निचले इलाकों, बाढ़ के प्राकृतिक मैदानों और जल निकायों के आसपास निर्माण को नियंत्रित करने के नियम मौजूद होने के बावजूद उनका प्रभावी पालन नहीं हो पाता। अनधिकृत निर्माण और अतिक्रमण धीरे-धीरे प्राकृतिक जल मार्गों को खत्म करते जाते हैं। आपदा आने के बाद राहत और बचाव पर जोर देने के बजाय आपदा से पहले जोखिम कम करना प्राथमिकता होनी चाहिए। जलवायु-लचीले शहरों के निर्माण के लिए सबसे पहले शहर को केवल इमारतों और सड़कों का समूह नहीं, बल्कि एक प्राकृतिक जलग्रहण क्षेत्र मानना होगा। इसके लिए स्पंज सिटी की अवधारणा उपयोगी हो सकती है। इसका उद्देश्य बारिश के पानी को तेजी से बाहर निकालने के बजाय उसे शहर के भीतर रोकना, सोखना और पुनः उपयोग करना है। पार्किंग क्षेत्रों, फुटपाथों और अन्य उपयुक्त स्थानों पर पारगम्य सतहें, वर्षा उद्यान, रेनवॉटर हार्वेस्टिंग और स्थानीय जल-संग्रहण संरचनाएँ विकसित की जा सकती हैं।

इसी के साथ ह्यब्लू-ग्रीन इन्फ्रास्ट्रक्चर को शहरी नियोजन का हिस्सा बनाना होगा। तालाब, झीलें, आर्द्रभूमियाँ, नदियाँ, नाले, शहरी वन और हरित क्षेत्र केवल सौंदर्य के साधन नहीं हैं; वे शहर की प्राकृतिक बाढ़-रोधी प्रणाली हैं। इनके संरक्षण और पुनर्जीवन से पानी को रोकने, जमीन में उतारने और तापमान नियंत्रित करने में मदद मिलती है। भविष्य की जलवायु परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए स्टॉर्म-वॉटर ड्रेनेज की डिजाइन क्षमता भी बदलनी होगी। पुराने वर्षा आंकड़ों पर निर्भर रहने के बजाय अद्यतन जलवायु मॉडल और चरम वर्षा अनुमानों को योजना में शामिल करना आवश्यक है। GIS आधारित बाढ़-जोखिम मानचित्र तैयार करके यह निर्धारित किया जा सकता है कि किन क्षेत्रों में निर्माण सीमित होना चाहिए और कहाँ अतिरिक्त जल-संग्रहण क्षमता विकसित करने की जरूरत है।

स्थानीय निकायों को वित्तीय संसाधन, तकनीकी विशेषज्ञता और निर्णय लेने की पर्याप्त शक्ति देना भी जरूरी है। प्रत्येक शहर के लिए व्यापक व१ुल्ल ॠंङ्क्ष्ङ्क्ष फ्र' टल्लींल्ल३ ढ'ल्ल तैयार होना चाहिए, जिसमें जल निकासी, भूमि उपयोग, जल निकायों, कचरा प्रबंधन और आपदा प्रबंधन को एकीकृत किया जाए। नगर निकायों और संबंधित एजेंसियों के बीच स्पष्ट जवाबदेही तय होनी चाहिए।

अंततः, अत्यधिक बारिश को पूरी तरह रोका नहीं जा सकता, लेकिन उसे शहरी आपदा बनने से काफी हद तक रोका जा सकता है। इसके लिए मौसम विज्ञान और जलवायु विज्ञान को शहरी नियोजन से जोड़ना होगा। प्राकृतिक जल निकायों को बचाना होगा, कंक्रीटीकरण को संतुलित करना होगा और प्रशासनिक जवाबदेही मजबूत करनी होगी। शहरों को केवल बारिश के बाद पानी निकालने वाले नहीं, बल्कि बारिश के पानी को समझदारी से संभालने वाले शहर बनाना होगा। जलवायु परिवर्तन के दौर में शहरी बाढ़ से लड़ने का रास्ता अधिक पंप और अधिक राहत नहीं, बल्कि बेहतर नियोजन, मजबूत स्थानीय शासन और प्रकृति के साथ चलने वाली शहरी व्यवस्था है।

भिवंडी में दही-हंडी पर कपिल पाटिल फाउंडेशन बरसाएगा लाखों के इनाम

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। शहर में इस वर्ष दही-हंडी उत्सव का रोमांच चरम पर रहने वाला है। कपिल पाटिल फाउंडेशन की ओर से लाखों रुपये के पुरस्कारों के साथ भव्य दही-हंडी उत्सव का आयोजन किया जाएगा। गोविंदा पथकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए विशेष इंतजाम किए गए हैं। यह जानकारी फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं नगरसेवक सुमित पाटिल ने पत्रकार परिषद में दी। इस अवसर पर फाउंडेशन के सदस्य एवं प्रभाग समिति सभापति एडवोकेट वैभव भोईर उपस्थित थे। कपिल पाटिल फाउंडेशन के सहयोग से समन्वय युवा प्रतिष्ठान, संस्कार प्रतिष्ठान एवं स्व. किरण देशमुख मित्र मंडल द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज चौक में आयोजित होने वाला यह दही-हंडी उत्सव का 19वां वर्ष है। पिछले वर्ष 148 छोटे-बड़े गोविंदा पथकों ने हिस्सा लिया था। इस वर्ष गोविंदा पथकों की मांग को देखते हुए 8 और 9 थर लगाने वाले पथकों के लिए अलग स्थान उपलब्ध कराया जाएगा। सुरक्षा के लिए दो सेफ्टी बेल्ट की व्यवस्था भी रहेगी। महिला गोविंदा पथकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए उनके लिए अलग ट्रॉफी और पुरस्कार राशि रखी गई है। ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले आदिवासी गोविंदा पथकों को भी स्वतंत्र पुरस्कार दिए जाएंगे। आयोजक एडवोकेट वैभव भोईर ने बताया कि इस वर्ष मुख्य पुरस्कार 2 लाख 83 हजार रुपये रखा गया है। इसके अलावा 5 थर के लिए 5 हजार, 6 थर के लिए 7 हजार, 7 थर के लिए 10 हजार और 8 थर लगाने वाले गोविंदा पथक को 50 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। गोविंदाओं की सुरक्षा के लिए दो एंबुलेंस के साथ मेडिकल टीम भी तैनात रहेगी। भिवंडी शहर के विभिन्न हिस्सों में भी बड़े पुरस्कारों वाली दही-हंडी का आयोजन किया गया है। धर्मवीर प्रतिष्ठान की ओर से सुभाष माने के नेतृत्व में स्व. आनंद दिघे चौक, पूर्व विधायक रूपेश म्हात्रे के नेतृत्व में भादवड़ चौक, महेंद्र समाज कल्याणकारी संस्था की ओर से दही-हांडी आयोजित की जाएगी। इसके अलावा राजनोली नाका में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के तालुका प्रमुख करसन ठाकरे के माऊली ग्रुप, भंडारी चौक नारपोली में नगरसेवक यशवंत टावरे के नेतृत्व में शिवशक्ति मित्र मंडल, अंजूरफाटा में मनसे प्रदेश उपाध्यक्ष डी.के. म्हात्रे के नेतृत्व में राज मित्र मंडल तथा बापगांव में दयानंद चोरघे के डी.वाई. फाउंडेशन की ओर से भी लाखों रुपये के पुरस्कार वाली दही-हांडी का आयोजन किया जाएगा।

शिक्षक भर्ती प्रक्रिया ने पकड़ी रफ्तार, उम्मीदवारों के दस्तावेज सत्यापन का काम शुरू

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद के स्कूलों में रिक्त शिक्षक पदों को भरने की प्रक्रिया ने अब गति पकड़ ली है। पवित्र प्रणाली के तहत प्राप्त उम्मीदवारों की सूची में शामिल पात्र अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन बुधवार, 2 सितंबर से शुरू हो गया है। यह प्रक्रिया 4 सितंबर 2026 तक जिला परिषद पालघर कार्यालय में चलेगी। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे के निरंतर प्रयासों और फॉलोअप के चलते शिक्षक भर्ती प्रक्रिया को गति मिली है।

शिक्षक अभियोग्यता एवं बुद्धिमत्ता परीक्षा-2025 के आधार पर जिन संस्थाओं में पद चयन का विकल्प दिया गया था, वहां शिक्षक पदों पर भर्ती की जा रही है। जिला परिषद पालघर के लिए पवित्र प्रणाली के माध्यम से मराठी एवं उर्दू माध्यम के उम्मीदवारों की सूची प्राप्त हुई है।

मराठी माध्यम में पदों और उम्मीदवारों की स्थिति के अनुसार कक्षा 2 से 5वीं के लिए 328 पदों के मुकाबले 347 उम्मीदवार, कक्षा 6 से 8वीं विज्ञान विषय के लिए 400 पदों के मुकाबले 317 उम्मीदवार, कक्षा 6 से 8वीं मराठी भाषा विषय के लिए 15 पदों के मुकाबले 203 उम्मीदवार, जबकि समाजशास्त्र विषय के लिए 16 पदों के मुकाबले 16 उम्मीदवार उपलब्ध हैं। वहीं उर्दू माध्यम में कक्षा 2 से 5वीं के लिए 22 पदों के मुकाबले 5 उम्मीदवार, कक्षा 6 से 8वीं विज्ञान विषय के लिए 11 पदों के मुकाबले 10 उम्मीदवार तथा कक्षा 6 से 8वीं उर्दू भाषा विषय के लिए 2 पदों के मुकाबले 1 उम्मीदवार उपलब्ध हुआ है।

प्राप्त सूची के अनुसार पात्र उम्मीदवारों के दस्तावेजों का सत्यापन 2 से 4 सितंबर 2026 तक जिला परिषद पालघर कार्यालय में किया जा रहा है। जिला परिषद प्रशासन ने उम्मीदवारों से अपील की है कि वे जिला परिषद की वेबसाइट पर जारी समय-सारिणी के अनुसार आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्धारित समय पर उपस्थित रहें। शिक्षक भर्ती की प्रक्रिया पूरी होने के बाद जिला परिषद स्कूलों में शिक्षकों की कमी दूर होने के साथ ही अध्यापन व्यवस्था को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। इससे विद्यार्थियों को नियमित एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण मदद मिलेगी।

किआ इंडिया की बिक्री में अगस्त में 48.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी

मुंबई। देश की प्रमुख मास-प्रीमियम वाहन निर्माता कंपनियों में से एक, किआ इंडिया ने आज अगस्त 2026 के अपने थोक बिक्री आंकड़े जारी किए। कंपनी ने पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 48.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है। अगस्त 2026 में किआ इंडिया ने 29,042 यूनिट डिस्पैच कीं, जबकि अगस्त 2025 में यह आंकड़ा 19,608 यूनिट था। इससे पता चलता है कि अलग-अलग बॉडी स्टाइल और पावरट्रेन में फैली कंपनी की बढ़ती रेंज ग्राहकों की पसंद बनी हुई है। शुरूआत से अब तक किसी भी अगस्त में किआ इंडिया की यह सबसे बड़ी थोक बिक्री है।

यह रफ्तार पूरे साल बनी रही। 2026 में अब तक किआ इंडिया की थोक बिक्री 220,991 यूनिट रही, जो 2025 की इसी अवधि के 183,882 यूनिट से ज्यादा है। यह 20.1 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी है। कंपनी का कहना है कि इस टिकाऊ प्रदर्शन के पीछे भारतीय ग्राहकों की बदलती मोबिलिटी जरूरतों को समझने और उनके मुताबिक ढलने पर बना उसका लगातार ध्यान है। इनमें पहली बार एसयूवी खरीदने वाले ग्राहक भी हैं, और वे भी जो प्रीमियम, फीचर से भरपूर और इलेक्ट्रिक की ओर बढ़ते विकल्प चाहते हैं।

सेल्टोस और सोनेट साल भर की बिक्री की रीढ़ रहे हैं। जनवरी में लॉन्च के बाद से सेल्टोस हर महीने औसतन 10,000 से ज्यादा यूनिट बेच रही है। दोनों मॉडल किआ इंडिया के मास-प्रीमियम पोर्टफोलियो में ग्राहकों के पसंदीदा हैं।

क्राइम ब्रांच सेल-4 का बड़ा खुलासा: प्रयागराज में एमडी ड्रग्स फैक्ट्री ध्वस्त, 139 करोड़ का नशा नेटवर्क बेनकाब

- नालासोपारा से शुरू हुई जांच पहुंची उत्तर प्रदेश तक; मुंबई, महाराष्ट्र, गुजरात और यूपी से जुड़े 21 आरोपी गिरफ्तार, 69 किलो 759 ग्राम एमडी समेत भारी मात्रा में रसायन व लैब उपकरण जब्त

मीरा-भायंदर/वसई-विरार (उत्तरशक्ति)। मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में अपराध प्रकटीकरण शाखा (क्राइम ब्रांच) सेल-4 को बड़ी सफलता मिली है। नालासोपारा में मेफेड्रोन (एमडी) के साथ दो आरोपियों की गिरफ्तारी से शुरू हुई जांच ने एक बड़े अंतरराज्यीय ड्रग्स रैकेट का पर्दाफाश कर दिया। पुलिस ने उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में एक खेत में किराए के शेड में संचालित कथित एमडी निर्माण फैक्ट्री का पता लगाकर उसे ध्वस्त कर दिया है। इस कार्रवाई में अब तक कुल 21 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने पूरे मामले में 69 किलो 759 ग्राम एमडी, नकदी, 260 लीटर विभिन्न रसायन तथा एमडी निर्माण में उपयोग होने वाले अत्याधुनिक लैब उपकरण जब्त किए हैं। जब्त माल की कुल कीमत लगभग 139 करोड़ रुपये बताई गई है।

नालासोपारा से हुई थी कार्रवाई की शुरूआत पुलिस के अनुसार, 24 जून 2026 को रात लगभग 8.40 बजे प्रगति नगर से मानवेल पाड़ा रोड, नालासोपारा पूर्व स्थित बाबा पार्किंग परिसर में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दो युवकों को पकड़ा था। गिरफ्तार आरोपियों में अविनाश उर्फ सोनू लोकनाथ अय्यर (22) और रविकांत ओमप्रकाश राम (23) शामिल थे। दोनों प्रगति नगर, नालासोपारा पूर्व के निवासी बताए गए हैं। उनके कब्जे से लगभग 112 ग्राम मेफेड्रोन (एमडी) बरामद किया गया था, जिसकी कीमत करीब 3 लाख 36 हजार रुपये आंकी गई थी। इस संबंध में तुलिंज पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस कानून की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर जांच अपराध प्रकटीकरण शाखा सेल-4 को सौंप दी गई। जांच में खुलती गई अंतरराज्यीय ड्रग्स नेटवर्क की परतें सेल-4 द्वारा की गई गहन जांच, गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ और तकनीकी विश्लेषण के दौरान ड्रग्स तस्करी से जुड़े एक बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ। जांच में मुंबई, नालासोपारा, कल्याण, नेरल, जलगांव, गुजरात और उत्तर प्रदेश तक फैले कथित नेटवर्क के तार सामने आए। जांच के दौरान पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से कुल 21 आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनमें ड्रग्स निर्माण करने वाले, रसायन और लैब उपकरण उपलब्ध कराने वाले, ड्रग्स की आपूर्ति करने वाले तथा कथित रूप से आर्थिक लेन-देन और तस्करी में सहयोग करने वाले लोग शामिल होने की बात सामने आई है।

अग्रवाल समाज कल्याण ने उल्हासनगर में शुरू किया 31वां प्याऊ

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। अग्रवाल समाज कल्याण की ओर से सामाजिक सेवा के तहत उल्हासनगर स्थित सेंट्रल अस्पताल में समाज के 31वें प्याऊ का शुभारंभ किया गया।

इससे अस्पताल में आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को ठंडा एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होगा। समाज अध्यक्ष अनिल कुमार गर्ग ने बताया कि प्याऊ का निर्माण कोषाध्यक्ष रजनीश अग्रवाल ने अपने स्वर्गीय पिता लाला प्रेमचंद अग्रवाल की स्मृति में कराया है। रेंजेंसी समूह के प्रबंध निदेशक महेश अग्रवाल ने प्याऊ का उद्घाटन करते हुए समाज के जनसेवा कार्यों की सराहना की। सचिव नितिन अग्रवाल ने बताया कि जल्द ही अस्पताल में एक और वाटर कूलर लगाया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन कार्याध्यक्ष अनिल बंसल ने किया। इस अवसर पर अस्पताल के इंचार्ज डॉ. मनोहर बनसोडे सहित समाज के पदाधिकारी एवं अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

महानगरपालिका स्कूल को गोद लेकर उसके विकास में योगदान दें : मंगल प्रभात लोढ़ा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। शिक्षा क्षेत्र की प्रतिष्ठित संस्थाओं, स्कूलों और शिक्षा विशेषज्ञों को अपने क्षेत्र के कम से कम एक महानगरपालिका स्कूल के विकास के लिए पहल करनी चाहिए, ऐसा आह्वान कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने किया। एक कार्यक्रम में शिक्षा क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों को संबोधित करते हुए उन्होंने यह बात कही। लोढ़ा ने स्पष्ट किया कि शिक्षा क्षेत्र में कार्यरत संस्थाओं को केवल अपनी संस्था तक सीमित न रहते हुए समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में कौशल विकास के महत्व पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को कम उम्र से ही विभिन्न कौशलों का प्रशिक्षण मिलना

आवश्यक है। इससे उनमें आत्मविश्वास के साथ-साथ श्रम और मेहनत करने वाले लोगों के प्रति सम्मान की भावना भी विकसित होगी। भारत में ब्लू-कॉलर कार्यों को लेकर बनी सामाजिक मानसिकता को बदलने के लिए कौशल आधारित शिक्षा एक महत्वपूर्ण माध्यम उन्होंने रेखांकित किया कि शिक्षा केवल परीक्षा, अंक और डिग्री तक सीमित नहीं है, बल्कि संस्कार, संस्कृति, मूल्य, विरासत और आत्मविश्वास भी शिक्षा के समान रूप से महत्वपूर्ण अंग हैं। बदलते समय के अनुरूप शिक्षा पद्धति में निरंतर परिवर्तन आवश्यक है और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कारण शिक्षा क्षेत्र में बड़े बदलाव हो रहे हैं। भारत की शिक्षा व्यवस्था केवल किताबी ज्ञान पर आधारित नहीं थी, बल्कि भारत में कौशल, संस्कार, श्रम की प्रतिष्ठा, संस्कृति और जीवनोपयोगी शिक्षा की समृद्ध परंपरा पहले से रही है। ब्रिटिश शासन के दौरान इस पारंपरिक शिक्षा पद्धति को कमजोर करते हुए रटने और रोजगार-केंद्रित शिक्षा को प्राथमिकता दी गई, ऐसी भूमिका मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने रखी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से भारतीय शिक्षा की इस समृद्ध परंपरा को आधुनिक कौशल और तकनीक से जोड़कर फिर से सशक्त करने का प्रयास किया जा रहा है। कौशल आधारित शिक्षा, भारतीय संस्कृति, मूल्य, आत्मविश्वास और व्यावहारिक ज्ञान को शिक्षा की मुख्यधारा में लाकर ह्यविकसित भारत के निर्माण की दिशा में यह नई शिक्षा व्यवस्था महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

डोंबिवली में पानी की समस्या को लेकर भव्य पानी बाणी मोर्चा, नागरिकों ने बुलंद की आवाज

डोंबिवली (उत्तरशक्ति)। डोंबिवली शहर में अनियमित पानी आपूर्ति की गंभीर समस्या के विरोध में नागरिकों की ओर से भव्य पानी बाणी मोर्चा निकाला गया। मोर्चे में शामिल होकर नागरिकों के हक के पानी के लिए आवाज बुलंद की गई।

प्रभाग क्रमांक 27 के गोग्रासवाडी, पाथर्ली, तिलकनगर, अंबिकानगर तथा प्रभाग क्रमांक 19 के सागर्ली क्षेत्र के नागरिक लंबे समय से अनियमित पानी आपूर्ति की समस्या से परेशान हैं। इसी समस्या के विरोध में यह मोर्चा आयोजित किया गया।

इस दौरान प्रशासन से मांग की गई कि नागरिकों को नियमित, पर्याप्त और सुचारू पानी आपूर्ति उपलब्ध

कराई जाए। पानी केवल जरूरत नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का मूलभूत अधिकार है, इसलिए इस गंभीर समस्या का तत्काल संज्ञान लेकर स्थायी समाधान किया जाए।

मोर्चे में भाजपा जिलाध्यक्ष नंदू परब और भाजपा गुटनेता शशिकांत कांबले, नगरसेवक महेश पाटील, नगरसेवक अभिजीत थरवळ, विनोद काळण, साई शेलार, मंदार टावरे, कल्याण जिला सचिव मनोज घरत, नगरसेविका मंदाताई पाटील, सुनीता ताई पाटील, सायली विचारे, पूजा म्हात्रे सहित भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

महाराष्ट्र राज्य नाट्य स्पर्धा का बजा बिगुल

- प्रवेशिका 25 सितंबर तक ऑनलाइन जमा करें
- हौशी कलाकारों व नाट्य संस्थाओं को मिलेगा प्रतिभा प्रदर्शन का मंच

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। महाराष्ट्र की समृद्ध नाट्य परंपरा को नई ऊर्जा देने वाली महाराष्ट्र राज्य नाट्य स्पर्धा का बिगुल बज गया है। सांस्कृतिक कार्य संचालनालय की ओर से 16 नवंबर 2026 से शुरू होने वाली हौशी मराठी, हिंदी, संगीत एवं संस्कृत राज्य नाट्य स्पधाओं के साथ ही बालनाट्य और दिव्यांग बालनाट्य स्पधाओं के लिए प्रवेशिकाएं आमंत्रित की गई हैं। इच्छुक नाट्य संस्थाओं को 25 सितंबर 2026 तक ऑनलाइन प्रवेशिका जमा करना अनिवार्य है। यह जानकारी सांस्कृतिक कार्य संचालनालय के संचालक प्रशांत खेडेकर ने दी।

सांस्कृतिक कार्य मंत्री एडवोकेट आशिष शेलार तथा सांस्कृतिक कार्य विभाग के सचिव डॉ. किरण कुलकर्णी के मार्गदर्शन में इस वर्ष की राज्य नाट्य स्पर्धा आयोजित की जायेगी। राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले हौशी कलाकारों, निर्देशकों, तकनीशियनों और नाट्य संस्थाओं के लिए यह स्पर्धा अपनी कलात्मक प्रतिभा प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण मंच साबित होगी। इस वर्ष 23वीं महाराष्ट्र राज्य बालनाट्य स्पर्धा की प्राथमिक फेरी दिसंबर 2026 से राज्य के विभिन्न 10 केंद्रों

पर आयोजित की जायेगी। इसके अलावा 65वीं हौशी हिंदी, संगीत एवं संस्कृत नाट्य स्पर्धा की अंतिम फेरी भी दिसंबर 2026 से प्रत्येक विधा के लिए निर्धारित एक केंद्र पर आयोजित की जायेगी। पंजीकृत हौशी नाट्य संस्थाओं तथा पिछले वर्ष राज्य नाट्य स्पर्धा में भाग लेने वाली संस्थाओं के लिए निर्धारित प्रारूप में प्रवेशिका एवं स्पर्धा के नियमँल्लं३८२स्त्रं१ँूड्ढ वेबसाइट पर ऑनलाइन उपलब्ध होंगे। संस्थाओं को आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपनी प्रवेशिका 25 सितंबर 2026 तक ऑनलाइन जमा करना अनिवार्य है।निर्धारित समय सीमा के बाद किसी भी परिस्थिति में प्रवेशिका स्वीकार नहीं की जायेगी। प्रवेशिका के साथ आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं होने अथवा अनिवार्य जानकारी अधूरी रहने पर ऑनलाइन प्रवेशिका जमा नहीं की जा सकेगी। स्पर्धा के लिए किसी संस्था का चयन होने के बाद शासन द्वारा निर्धारित केंद्र और तारीख पर संस्था को अपना नाट्य प्रयोग प्रस्तुत करना होगा। निर्धारित तारीख पर प्रयोग प्रस्तुत नहीं करने की स्थिति में प्रवेशिका के साथ जमा की गई अनामत राशि सरकारी कोषागार में जमा कर दी जायेगी। स्पर्धा से संबंधित शासन द्वारा निर्धारित सभी नियम संस्थाओं के लिए अनिवार्य होंगे। नियमों का उल्लंघन करने वाली संस्था को स्पर्धा से अयोग्य घोषित किया जा सकता है। महाराष्ट्र की गौरवशाली नाट्य परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए राज्य की अधिकाधिक नाट्य संस्थाएं इस प्रतिष्ठित स्पर्धा में भाग लें और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करें, ऐसा आवाहन सांस्कृतिक कार्य संचालनालय के संचालक प्रशांत खेडेकर ने किया है।

भिवंडी मनपा के स्थायी समिति सभापति ईशा इम्रान खान के कार्यालय का उद्घाटन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रवादी कांग्रेस शरद पवार गुट की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष एवं सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि भिवंडी में समाज और शहर के विकास के लिए युवा महिलाएं आगे आ रही हैं, यह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायी है। वे मनपा स्थायी समिति सभापति ईशा इम्रान खान के कार्यालय उद्घाटन समारोह में बोल रही थीं। सुले ने कहा कि ईशा खान युवा पीढ़ी का नेतृत्व कर रही हैं और उनके पिता भी मजबूती से उनके साथ खड़े हैं, यह सुखद तस्वीर है। उन्होंने महिलाओं को राजनीतिक ट्रोलिंग से घबराए बिना ईमानदारी से काम करते रहने की सलाह दी। उन्होंने भिवंडी के विकास के लिए आवश्यक निधि उपलब्ध कराने हेतु मुख्यमंत्री से मुलाकात कराने का आश्वासन दिया। ईशा खान ने शहर में विकास कार्यों के लिए निधि की कमी का मुद्दा उठाते हुए राज्य सरकार से पर्याप्त निधि उपलब्ध कराने की मांग की। सांसद सुरेश म्हात्रे उर्फ बाल्या मामा ने कहा कि भिवंडी में हिंदू-मुस्लिम एकता के साथ मनपा का कामकाज हो रहा है और शहर के विकास की जिम्मेदारी सभी जनप्रतिनिधियों की है।कार्यक्रम में विधायक जितेंद्र आव्हाड, रईस शेख, महापौर नारायण चौधरी, उपमहापौर तारीक मोमिन, शोएब खान गुड्डू, मुशरत अरशद अंसारी सहित नगरसेवक एवं नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

अहिल्यादेवी होलकर कर्जमुक्ति योजना की समीक्षा बैठक संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र शासन की महत्वाकांक्षी पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर कर्जमुक्ति योजना 2026 के तहत पालघर जिले में चल रही कार्यवाही की समीक्षा के लिए मंगलवार को जिलास्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी डॉ. इंदू रानी जाखड की अध्यक्षता में हुई बैठक में योजना के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जिला उपनिबंधक किशन रत्नाले, एलडीएम विशाल वाघ, जिला बैंक की ओर से राजेंद्र भेरे सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। पालघर जिले में योजना के तहत 10,484 किसानों की पहली सूची जारी की गई थी। इस सूची को सेवा सहकारी संस्थाओं, ग्राम पंचायत कार्यालयों तथा संबंधित बैंक शाखाओं में प्रकाशित किया गया था। इनमें से अब तक 8,393 किसानों ने आधार प्रमाणीकरण की प्रक्रिया पूरी कर ली है। योजना के अंतर्गत 7

अगस्त 2026 को 5,169 किसानों को 29 करोड़ 20 लाख 43 हजार 4 रुपये, जबकि 24 अगस्त को 2,695 किसानों को 14 करोड़ 81 लाख 71 हजार 224 रुपये की कर्जमाफी का लाभ दिया गया। इस प्रकार अब तक कुल 7,702 किसानों को 43 करोड़ 36 लाख 68 हजार 4 रुपये की कर्जमाफी प्राप्त हुई है। कर्जमाफी की राशि संबंधित किसानों के ऋण खातों में जमा कर दी गई है तथा लाभार्थी किसानों को कर्जमुक्ति प्रमाणपत्र भी वितरित किये गये हैं। जिले में अभी भी 2,148 किसानों का आधार प्रमाणीकरण होना बाकी है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि आधार प्रमाणीकरण पूर्ण किये बिना पात्र किसानों को योजना का लाभ नहीं दिया जा सकता।समीक्षा में यह भी सामने आया कि 1,965 किसानों के पास फार्मर आईडी उपलब्ध नहीं है। ऐसे किसानों से अपील की गई है कि वे तत्काल आपले सरकार सेवा केंद्र पर जाकर फार्मर आईडी बनवायें, ताकि उन्हें कर्जमुक्ति योजना का लाभ मिल सके। इन किसानों में 562 किसान मृतक हैं, जबकि 510 किसान वन पट्टाधारक हैं।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

जौनपुर में आउटसोर्स कर्मचारियों को मिली नई सौगात

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम (UPCOS) का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पोर्टल एवं वेबसाइट लॉन्चिंग, लोगो का अनावरण तथा आउटसोर्स कार्मिकों को चेक वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का सजीव प्रसारण जौनपुर कलेक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह में देखा गया।

कार्यक्रम में जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन., मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, नगर पालिका अध्यक्ष मनोरमा मौर्या, कजगांव अध्यक्ष फिरोज अहमद तथा मुंगराबादशाहपुर अध्यक्ष कपिल मुनि वैश्य सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे।

अतिथियों ने आउटसोर्स कर्मचारियों मेराज, विनोद, वाजिद, फिरोज, सलीम, आशीष, राहुल, नियाज, अमित और रहमान को सेफ्टी किट वितरित की। वहीं मातृत्व शिशु एवं बालिका मदद योजना के तहत तीन श्रमिकों को कुल 56 हजार रुपये, कन्या विवाह सहायता योजना के तहत

◆ सेफ्टी किट और योजनाओं के चेक वितरित

तीन लाभार्थियों को 65 हजार रुपये तथा मृत्यु एवं दिव्यांगता सहायता योजना के तहत संगीता और रामवती

को 2 लाख 25 हजार रुपये के सांकेतिक चेक प्रदान किए गए।

जनप्रतिनिधियों ने कहा कि आउटसोर्स कर्मचारियों के हित में मुख्यमंत्री की यह पहल उनकी संवेदनशीलता को दशार्ती है। सरकार वंचित और शोषित वर्ग को मुख्यधारा से जोड़ने तथा कर्मचारियों के भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है।

जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. ने कहा कि उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम के गठन के अवसर पर ऐतिहासिक कार्यक्रम आयोजित किया गया है। जिला प्रशासन कर्मचारियों के साथ खड़ा है और मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए निर्देशों का शीघ्र क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा।

कार्यक्रम का संचालन प्रीति श्रीवास्तव ने किया। मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ठ, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व परमानंद झा, एएलसी देवव्रत यादव, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय, सेवायोजन अधिकारी सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वाइन फ्लू की रोकथाम को मेडिकल कॉलेज में जनजागरूकता अभियान तेज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर में शासन के दिशा-निदेर्शों के क्रम में स्वाइन फ्लू/इन्फ्लुएंजा की रोकथाम एवं बचाव को लेकर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत मेडिकल कॉलेज, पीएचसी रसूलाबाद सहित विभिन्न स्थानों पर पोस्टर, बैनर और अन्य जनसंचार माध्यमों से लोगों को संक्रमण के लक्षण, बचाव के उपाय तथा समय पर चिकित्सकीय परामर्श लेने के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो. डॉ. आर.बी. कमल ने कहा कि स्वाइन फ्लू/इन्फ्लुएंजा एक वायरल संक्रमण है और अधिकांश मामलों में उचित आराम एवं देखभाल से मरीज स्वस्थ हो जाते हैं। इसलिए लोगों को घबराने के बजाय सावधानी बरतने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सर्दी, खांसी, गले में खराश, बुखार या शरीर में दर्द जैसे लक्षण होने पर पर्याप्त आराम, तरल पदार्थों का सेवन और लक्षणों की निगरानी करें। संक्रमण से बचाव के लिए मास्क का उपयोग, हाथों की नियमित सफाई तथा भीड़भाड़ वाले स्थानों से बचना जरूरी है। उन्होंने लोगों से केवल पंजीकृत चिकित्सकों से परामर्श लेने और सोशल मीडिया पर प्रसारित अपुष्ट सूचनाओं से

बचने की अपील की।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो. डॉ. ए.ए. जाफरी ने बताया कि संभावित रूप से बढ़ते फ्लू के मामलों को देखते हुए अस्पताल में आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। दवाइयों, जांच सुविधाओं, चिकित्सा सामग्री, उपकरणों सहित अन्य जरूरी संसाधनों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। साथ ही डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मियों की उपलब्धता पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि फ्लू जैसे लक्षण वाले मरीजों की समय पर जांच, चिकित्सकीय सलाह और उपचार के लिए फ्लू क्लिनिक की व्यवस्था की जा रही है। आवश्यकता पड़ने पर मरीजों को आगे की जांच एवं उपचार की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। अस्पताल प्रशासन द्वारा व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा और निगरानी की जा रही है।

कम्युनिटी मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. अनुज सिंह ने बताया कि अभियान का उद्देश्य लोगों को संक्रमण की शीघ्र पहचान, बचाव और समय पर उपचार के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि यदि बुखार लगातार बना रहे, सांस लेने में कठिनाई हो अथवा लक्षण गंभीर हों तो तत्काल चिकित्सकीय परामर्श लेना चाहिए। लोगों को हाथों की स्वच्छता, खांसते-छींकते समय मुंह-नाक ढकने, मास्क के उचित उपयोग, भीड़भाड़ से बचने तथा लक्षण होने पर दूसरों से उचित दूरी बनाए रखने के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि स्वाइन फ्लू को लेकर अफवाहों पर विश्वास न करें और घबराने के बजाय वैज्ञानिक जानकारी एवं आवश्यक सावधानियों को अपनाएं। लक्षण दिखाई देने पर समय से योग्य चिकित्सक से परामर्श लें और स्वयं से दवा लेने से बचें। इस अवसर पर डॉ. विनोद कुमार, डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. अचल सिंह, डॉ. आदर्श यादव, डॉ. मुदित चौहान, डॉ. पूजा पाठक, डॉ. नवीन कुमार, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. अवधेश कुमार गुप्ता, पंकज कुमार, डॉ. नितेश कुमार सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

नाली एवं सड़क की दुर्दशा को लेकर सपा नेत्री आयीं आगे, अधिशासी अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

नगरवासियों की समस्या का समाधान शीघ्र हो, अन्यथा...: उषा जायसवाल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर पालिका परिषद जौनपुर के अन्तर्गत आने वाले वार्ड/मोहल्ले की नालियां एवं सड़क बहुत खराब हालत में हैं।

पेयजल की व्यवस्था बहुत खराब हालत में पहुंच चुकी है। आम नागरिक को समुचित एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है तथा नगर पालिका के अन्तर्गत पूर्व में स्थापित शौचालय गायब हो चुके हैं। सबसे प्रमुख समस्या महिलाओं की है। वह शौच के लिये जायं तो कहां? जगह-जगह कूड़े के अम्बार लगे हैं। नालियां टूटी हुई हैं। उनके अन्दर मौजूद मलबा से दुर्गंध आ रहे हैं। लगता है जिस प्रकार रोम का शासक नीरू रोम जल रहा था और रोम का शासक नीरू बांसुरी बजा रहा था, ठीक उसी प्रकार नगर पालिका के अध्यक्ष सत्ता के मद में चूर हैं। उक्त बातें समाजवादी पार्टी की प्रदेश सचिव एवं नगर पालिका परिषद जौनपुर अध्यक्ष पद की प्रत्याशी रहीं उषा जायसवाल ने अधिशासी अधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुये कही।

उन्होंने आगे कहा कि जौनपुर नगर के सद्भावना पुल के बगल के गोपी घाट पर मौजूद शौचालय एवं महिलाओं के लिये उपलब्ध चेंजिंग रूम में लोग पेशाब कर रहे हैं। सुरक्षा के नाम पर गोपी घाट पर कुछ भी नहीं है। हनुमान घाट की तरफ का घाट का इलाका शाम को मदिरालय में परिवर्तित हो जाता है। कोई सुधि लेने वाला नहीं है। नगर पालिका के जिम्मेदार लोगों को चेतावनी देते हुये कहा कि अगर समय रहते व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो समाजवादी पार्टी की महिला सभा बड़े आन्दोलन को बाध्य होगी और नगर पालिका परिषद जौनपुर की अध्यक्ष एवं अधिशासी अधिकारी का घेराव किया जायेगा।

आन्दोलन की अगुवाई प्रदेश सचिव महिला सभा उषा जायसवाल ने किया जहां सुशील दुबे प्रदेश सचिव समाजवादी पार्टी, सुशील यादव सदर विधानसभा अध्यक्ष महिला सभा, पूनम यादव सदर विधानसभा महासचिव महिला सभा, राधिका यादव, सोनी सेठ नगर अध्यक्ष महिला सभा, सबीना बेगम, मीरा यादव, पूनम निषाद, निशा निषाद, अनवाउल हक राष्ट्रीय उपाध्यक्ष समाजवादी अल्पसंख्यक सभा, गुलजीत विश्वकर्मा राष्ट्रीय सचिव समाजवादी मजदूर सभा, धर्मेन्द्र चौरसिया प्रदेश सचिव समाजवादी पिछड़ा वर्ग, संजीव साहू प्रदेश सचिव समाजवादी व्यापार सभा, मोनू सोनकर, मनोज जायसवाल, राजेश यादव, सिराज अहमद, पूर्व नगर अध्यक्ष कमालुद्दीन अंसारी, शाहिद सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

प्राथमिक विद्यालय से सटे जर्जर कुएं से हादसे का खतरा, शिकायतों के बाद भी नहीं जागा प्रशासन

दिनेश विश्वकर्मा

मीरगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मीरगंज थाना क्षेत्र के करियांव बाजार स्थित प्राथमिक विद्यालय से सटा जर्जर कुआं ग्रामीणों और स्कूली बच्चों के लिए हादसे का सबब बना हुआ है। कुएं की हालत बेहद खराब है और

आसपास की मिट्टी का लगातार कटाव होने से इसका मुहाना बढ़ता जा रहा है। ऐसे में किसी के कुएं में गिरने की आशंका बनी हुई है।

ग्रामीणों के मुताबिक, कुएं के ठीक बगल में प्राथमिक विद्यालय होने के कारण छोटे बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर खतरा बना रहता है। पूर्व में बच्चे और मवेशी कुएं में गिर भी चुके हैं, जिन्हें ग्रामीणों ने किसी तरह सुरक्षित बाहर निकाला। बरसात के दिनों में कुएं में पानी भर जाने से खतरा और बढ़ जाता है। इस समस्या को लेकर करियांव निवासी शिकायतकर्ता रवि कान्त गुप्ता पुत्र वीरेन्द्र कुमार गुप्ता द्वारा कई बार प्रशासन और संबंधित राजस्व कर्मचारियों से शिकायत की जा चुकी है। बावजूद इसके अब तक कुएं को सुरक्षित कराने के लिए कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

शिकायतकर्ता का कहना है कि इस गंभीर समस्या को लेकर कई बार शिकायत की गई और पूर्व में समाचार के माध्यम से भी मामला सामने आ चुका है, लेकिन प्रशासन एवं राजस्व कर्मचारियों ने अब तक प्रभावी कदम नहीं उठाया। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर प्रशासन किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार क्यों कर रहा है? रवि कान्त गुप्ता ने आईजीआरएस/जनसुनवाई शिकायत संख्या 40019426071783, दिनांक 30 अगस्त 2026, को भी दर्ज कराई है। उन्होंने जिलाधिकारी जौनपुर, उपजिलाधिकारी एवं तहसीलदार मछलीशहर से मांग की है कि मौके का तत्काल स्थलीय निरीक्षण कराकर जर्जर कुएं को सुरक्षित कराया जाए। साथ ही मजबूत सुरक्षा दीवार, बैरिकेडिंग अथवा अन्य स्थायी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

ग्रामीणों ने भी प्रशासन से मांग की है कि किसी अप्रिय घटना का इंतजार किए बिना तत्काल कार्रवाई की जाए, ताकि विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों सहित आसपास के लोगों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

इमरान सम्भलशाही बने ख़्वाहिशां अकादमी के महासचिव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ख़्वाहिशां अकादमी, गाज़ियाबाद ने लेखक एवं

शिक्षक इमरान सम्भलशाही को अकादमी का महासचिव मनोनीत किया है। अकादमी के अध्यक्ष मार्टिन फैसल ने उनकी साहित्यिक सक्रियता और योगदान को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है। मूल रूप से जौनपुर के समोधपुर निवासी इमरान सम्भलशाही ने पूर्वांचल विश्वविद्यालय से हिंदी विषय में स्नातक एवं परास्नातक की शिक्षा प्राप्त की है। इसके अलावा उन्होंने सम्पूणार्नंद संस्कृत विश्वविद्यालय से शिक्षाशास्त्री तथा महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा से थिएटर एवं फिल्म की पढ़ाई की है। उनकी प्रकाशित कृतियों में कविता-संग्रह 'दीवार उस पार', 'दीवारों में काली हँसी है', 'स्त्रियाँ बोलती हैं' तथा कहानी-संग्रह 'अनन्या के पत्र' शामिल हैं। उनका कविता-संग्रह 'दीवार उस पार' अमेजन बेस्टसेलर भी रह चुका है। महासचिव मनोनीत किए जाने पर इमरान सम्भलशाही ने कहा, ₹यह दायित्व मेरे लिए केवल एक पद नहीं, बल्कि साहित्य, शिक्षा और समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं को और अधिक जिम्मेदारी के साथ निभाने का अवसर है।₹ उनके मनोनयन पर प्रोफेसर अनुराग मिश्र, शत्रुघ्न सिंह सोनू, एडवोकेट अनुराग त्रिपाठी, सूर्य कुमार सिंह मुन्ना, सरफराज खान, सपा महासचिव उजमा खानम, मोहम्मद गालिब सहित अन्य लोगों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत, पुलिस जांच में जुटी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सिकरारा थाना क्षेत्र के तोहफापुर गांव निवासी एक युवक की मंगलवार की रात गुलजारगंज बाजार में अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान पवन कुमार गौतम (25 वर्ष) पुत्र संतोष कुमार, निवासी ग्राम तोहफापुर, थाना सिकरारा, जनपद जौनपुर के रूप में हुई है। बताया गया कि मंगलवार रात गुलजारगंज बाजार में किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे उनकी

मौके पर ही मृत्यु हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मर्चरी भेज दिया। घटनास्थल पर शांति व्यवस्था कायम है। पुलिस द्वारा मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

कुएं के पास बैठे युवक को पड़ा दौरा (चक्कर) आने से गिरा हुई मौत

सिकरारा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के रूकूनपुर गांव निवासी रोबाई गौतम का 25 वर्षीय पुत्र गोविन्द गौतम का मंगलवार देर शाम अचानक दौरा पड़ने से कुएँ में गिर पड़ा जिससे उसकी मौत हो गई।

जिससे गांव में पास पड़ोस में सुनने के बाद अफरा तफरी मच गई। मौके पर ग्रामीण इकट्ठे हो गए और मृतक को कुएं से बाहर निकालने का प्रयास किया। लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलने पर सिकरारा पुलिस को मामले की सूचना दिया। पुलिस मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्यवाही में जुट गए। परिजनों के अनुसार गोविंदा के पिता दिल्ली में रहकर किसी तरह परिवार का भरण पोषण करते हैं जबकि मां घर पर रहती है घटना के बाद गांव में मातम पसरा हैं परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

मछलीशहर की धरती से संजय सिंह ने दिया मोहब्बत और राष्ट्रीय एकता का पैगाम

मछलीशहर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राज्यसभा सांसद संजय सिंह का मछलीशहर पहुंचने पर लोगों ने गर्मजोशी और उत्साह के साथ स्वागत किया। बड़ी संख्या में मौजूद लोगों ने उन्हें अपना खास मेहमान बताते हुए फूल-मालाओं से स्वागत किया। मछलीशहर की सरजमीं पर पहली बार आयोजित

'राष्ट्रीय एकता सम्मेलन' में शामिल हुए सांसद संजय सिंह ने देश में भाईचारा, आपसी सौहार्द और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि हिन्दुस्तान की खूबसूरती उसकी विविधता और आपसी प्रेम में है। हमें नफरत की जगह मोहब्बत और दूरी की जगह भाईचारे को बढ़ावा देना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान मौजूद लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। सांसद के स्वागत और उनके संदेश को लेकर क्षेत्र में चर्चा रही।

अनुच्छेद 142 का प्रयोग कर आजम खान, उनके परिवार एवं जौहर विश्वविद्यालय को न्याय दिलाए सुप्रीम कोर्ट: आरिफ हबीब

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के जिला महासचिव आरिफ हबीब ने माननीय सुप्रीम कोर्ट से पुरजोर अपील की है कि संविधान के अनुच्छेद 142 में निहित 'पूर्ण न्याय' की शक्ति का प्रयोग करते हुए मोहम्मद आजम खान साहब, उनके परिवार तथा मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय से जुड़े उन मुकदमों पर भी न्यायपूर्ण विचार किया जाए, जो राजनीतिक द्वेष अथवा दुर्भावना से प्रेरित पाए जाएं।

आरिफ हबीब ने कहा कि जिस प्रकार माननीय सर्वोच्च न्यायालय विशेष परिस्थितियों में अनुच्छेद 142 के माध्यम से न्याय के व्यापक हित में हस्तक्षेप करता है, उसी भावना के तहत आजम खान साहब, उनके परिवार और जौहर विश्वविद्यालय से संबंधित मामलों की निष्पक्ष समीक्षा की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि न्याय केवल होना ही नहीं चाहिए, बल्कि न्याय होता हुआ दिखाई भी देना चाहिए।

यदि किसी मुकदमे में राजनीतिक प्रतिशोध, दुर्भावना या कानून के दुरुपयोग की पुष्टि होती है, तो ऐसे मामलों में माननीय न्यायालय से उचित राहत की अपेक्षा है।

उन्होंने कहा, 'हमारी मांग किसी व्यक्ति या संस्था के लिए कानून से ऊपर विशेषाधिकार की नहीं, बल्कि निष्पक्ष न्याय और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा की है। आजम खान साहब, उनके परिवार और जौहर विश्वविद्यालय को न्याय मिलना लोकतांत्रिक मूल्यों और न्याय व्यवस्था में जनता के विश्वास को और मजबूत करेगा।'

आरिफ हबीब ने कहा कि जौहर विश्वविद्यालय केवल एक संस्था नहीं, बल्कि शिक्षा और सामाजिक विकास से जुड़ा महत्वपूर्ण केंद्र है। इसलिए उससे जुड़े मामलों में भी निष्पक्षता, पारदर्शिता और न्याय के सिद्धांतों का पूरी तरह पालन होना चाहिए। उन्होंने अंत में कहा कि अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना लोकतांत्रिक अधिकार है और इंसाफ की मांग करना हमारा संवैधानिक विश्वास।

रमना में किसानों को उन्नत बीज, जैविक खाद और फलदार पौधे वितरित

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में पर्यावरणविद अनिल सिंह के नेतृत्व में ग्राम सभा रमना में मंगलवार को किसानों के लिए जागरूकता एवं वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान ग्राम प्रधान अमित पटेल और क्षेत्र के सम्मानित किसान बंधुओं को उन्नतिशील सब्जियों के बीज, जैविक खाद तथा आम, अमरूद, आंवला, बेल, नींबू और महुआ के पौधे वितरित किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य जैविक खेती को बढ़ावा देना और पर्यावरण संरक्षण के प्रति किसानों को जागरूक करना रहा।कृषि विभाग के स्नातक तृतीय वर्ष के छात्र जो प्रयागराज की यूनाइटेड यूनिवर्सिटी से रावे ट्रेनिंग के तहत आए थे, उन्होंने किसानों के साथ मिलकर पौधे और सब्जियों के बीज लगाए। कार्यक्रम में कई ऐसे किसान भी शामिल रहे जिन्होंने ओयेस्का योजना के तहत जापान

◆ जापान प्रशिक्षित किसानों का सम्मान

जाकर खेती की आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण लिया था। इन किसानों

को आईएफएस रवि सिंह ने रिकमेंड किया था। जापान से प्रशिक्षण लेकर लौटे किसानों ने अपने अनुभव साझा किए और खुशी व्यक्त की। पर्यावरणविद अनिल सिंह ने कहा कि जैविक खेती ही भविष्य है, इससे जमीन की उर्वरता बचेगी और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा। हर किसान को अपने खेत की मेड़ पर एक फलदार पौधा जरूर लगाना चाहिए। वहीं कृषक उत्पादक संगठन टिकरी वाराणसी के निदेशक ई. अमित सिंह सहित सभी किसानों ने आईएफएस रवि सिंह के प्रति आभार प्रकट किया। संयोजन सृजन सामाजिक विकास न्यास एवं गंगा हरितिमा अभियान उत्तर प्रदेश ब्रांड अंबेसेडर अनिल कुमार सिंह ने किया।

शॉर्ट वीडियो की लत एकाग्रता और स्मरण शक्ति के लिए नुकसानदायक: प्रो.अजय

जीवन की चुनौतियों से निपटने में सहायक हैं प्राचीन तकनीकें: प्रो.मनोज

नवप्रवेशित विद्यार्थियों को तनाव प्रबंधन, स्वस्थ जीवनशैली और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के वेलनेस सेंटर की ओर से नवप्रवेशित स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य एवं वेलनेस जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन, स्वस्थ जीवनशैली तथा जीवन की विभिन्न समस्याओं से प्रभावी ढंग से निपटने के प्रति जागरूक करना था।

व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष एवं वेलनेस सेंटर के समन्वयक प्रो. अजय प्रताप सिंह ने कहा कि तन के साथ मन का भी ख्याल रखना जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को शॉर्ट वीडियो एवं डिजिटल मीडिया के अत्यधिक उपयोग के प्रभावों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि लगातार शॉर्ट वीडियो देखने की आदत ध्यान क्षमता, एकाग्रता तथा स्मरण शक्ति को प्रभावित कर सकती है। विद्यार्थियों को डिजिटल मीडिया का विवेकपूर्ण एवं संतुलित उपयोग करने तथा पढ़ाई और दैनिक गतिविधियों के बीच उचित संतुलन बनाए रखने की सलाह दी।

अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी संकाय के अध्यक्ष प्रो. मनोज मिश्रा ने विद्यार्थियों को जीवन की समस्याओं और चुनौतियों से निपटने के विभिन्न तरीकों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्राचीन तकनीकें वर्तमान जीवन की अनेक समस्याओं को समझने और उनके समाधान में सहायक हो सकती हैं। विद्यार्थियों को उपयोगी प्राचीन तकनीकों को समझने और उन्हें जीवन में उचित रूप से अपनाने के लिए प्रेरित किया।

वेलनेस सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. अन्नू त्यागी ने मानसिक स्वास्थ्य एवं स्वस्थ कोपिंग स्किल्स के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों से किसी भी मानसिक या भावनात्मक समस्या को अकेले न झेलने तथा आवश्यकता पड़ने पर काउंसलिंग सेंटर से सहायता लेने का आह्वान किया। उन्होंने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नियमित शारीरिक गतिविधियों में भाग लेने तथा प्रतिदिन लगभग 30 मिनट पैदल चलने की सलाह दी।

व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग की शिक्षिका डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव ने अतिथियों एवं नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत किया। उन्होंने तनाव और उसके विभिन्न प्रकारों की जानकारी देते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन में तनाव का अनुभव सामान्य है, लेकिन उसे पहचानना और स्वस्थ तरीके से प्रबंधित करना आवश्यक है। इस अवसर पर अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी संकाय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भाद्रपद कृष्ण तृतीया पर मां विशालाक्षी का प्राकट्य उत्सव

5000 से अधिक श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में भाद्रपद कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि पर सोमवार को काशी के हृदयस्थल मीरघाट स्थित प्राचीन मां विशालाक्षी मंदिर में आदिशक्ति मां विशालाक्षी का प्राकट्य उत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। प्राकट्य उत्सव के अवसर पर सुबह आरती के बाद विशाल भंडारे का शुभारंभ हुआ, जो पूरे दिन चलता रहा। भंडारे में 5000 से अधिक श्रद्धालुओं ने मां का प्रसाद ग्रहण किया।

महंत परिवार की ओर से आयोजित उत्सव में मां विशालाक्षी का भव्य श्रृंगार, विराट आरती और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। मंदिर के कपाट सुबह पांच बजे भक्तों के दर्शन-पूजन के लिए खोल दिए गए थे। कपाट खुलते ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया। मां के जयकारों के बीच दर्शन-पूजन का क्रम देर रात तक जारी रहा।

शक्तिपीठ के रूप में विशेष मान्यता- मीरघाट स्थित मां विशालाक्षी धाम को काशी के प्रमुख शक्तिपीठों में विशेष स्थान प्राप्त है। धार्मिक मान्यता के अनुसार देवी सती के शरीर के अंग जहां-जहां गिरे, वे स्थान शक्तिपीठ के रूप में प्रतिष्ठित हुए। काशी में मां विशालाक्षी का यह पावन धाम भी शक्ति उपासना के प्रमुख केंद्रों में माना जाता है। देशभर से श्रद्धालु यहां मां के दर्शन-पूजन के लिए पहुंचते हैं। काशी की धार्मिक परंपराओं में मां विशालाक्षी को आदिशक्ति के स्वरूप में पूजा जाता है। मान्यता है कि मां के दर्शन और पूजन से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं तथा परिवार में सुख-समृद्धि और मंगल का वास होता है।

बाबा विश्वनाथ के रात्रि विश्राम की मान्यता- मां विशालाक्षी मंदिर का संबंध काशी विश्वनाथ से भी जुड़ा हुआ है। ऐसी धार्मिक मान्यता है कि बाबा विश्वनाथ रात्रि विश्राम के लिए मां विशालाक्षी के मंदिर में आते हैं। इस मान्यता के कारण भी मां विशालाक्षी धाम काशी की धार्मिक परंपरा में विशेष महत्व रखता है।

प्रातः साढ़े 5 बजे महंत सुरेश तिवारी ने माता विशालाक्षी की अभिषेक कर आरती की। प्राकट्य उत्सव में शहर के वरिष्ठ नागरिकों के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। महंत परिवार की ओर से महंत राजनाथ तिवारी, पंडित नितिन तिवारी, पंडित अनिल तिवारी, पंडित विकास तिवारी, जतिन तिवारी सहित अन्य महंतों ने आयोजन की व्यवस्थाओं में सक्रिय भूमिका निभाई। पूरे दिन मंदिर परिसर मां के जयकारों और भक्तिमय वातावरण से गूंजता रहा। रात को कन्हैया दुबे केडी की टीम ने भजनों की शानदार प्रस्तुति देकर भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

भक्तों ने मां विशालाक्षी के दर्शन-पूजन कर परिवार की सुख-समृद्धि और मंगल की कामना की। दिनभर चले विशाल भंडारे में श्रद्धालुओं को श्रद्धापूर्वक प्रसाद वितरित किया गया।

पालघर शिवसेना में सत्यप्रकाश मिश्रा का पक्ष प्रवेश

वसई। पालघर शिवसेना के 100 फीट रोड, वसई पश्चिम स्थित कार्यालय में सत्यप्रकाश मिश्रा (पिंटू) का शिवसेना में पक्ष प्रवेश हुआ।

इस अवसर पर उन्हें शिव कामगार सेना के पालघर जिला उपाध्यक्ष पद का नियुक्ति पत्र शिवसेना अध्यक्ष नीलेश तेंदुलकर ने प्रदान किया। इसके साथ ही अमोल पाटील को तालुका अध्यक्ष, सर्वेशमनी त्रिपाठी को उपतालुका अध्यक्ष, राहुल सावंत को शहर अध्यक्ष, सुनील यादव को शहर उपाध्यक्ष तथा पंकज पांडे को भी संगठन में जिम्मेदारी सौंपी गई। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने एकनाथ शिंदे की विचारधारा पर चलते हुए पार्टी को मजबूत करने और आम लोगों की सेवा को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया। नियुक्तियों से पार्टी कार्यकताओं में उत्साह का माहौल है।

सीप्ज-सेज मुंबई में हिंदी माह समारोह 2026 का शुभारंभ

मुंबई। विकास आयुक्त कार्यालय, सीप्ज-सेज, मुंबई में 1 सितंबर से 30 सितंबर 2026 तक हिंदी माह समारोह-2026 का आयोजन किया जा रहा है। मंगलवार को विकास आयुक्त ज्ञानेश्वर पाटिल ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का विधिवत शुभारंभ किया। उद्घाटन अवसर पर मयूर मानकर (संयुक्त विकास आयुक्त), डॉ. संदीप भोसले (उप विकास आयुक्त), वैभव अंकुश उगले (सहायक विकास आयुक्त एवं प्रभारी-राजभाषा) तथा श्रीमती सुमन सारस्वत (राजभाषा परामर्शदाता) ने भी दीप प्रज्वलित कर मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण किया।

प्रताप फाउंडेशन की ओर से 31 लाख रुपये की दहीहंडी

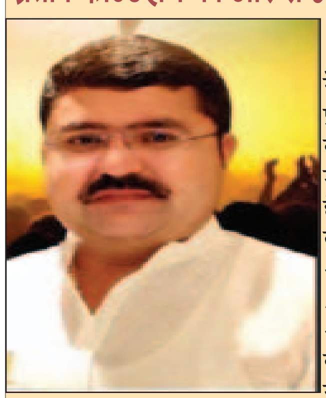

-आदेश मिश्र

मीरारोड। मीरारोड में शिवसेना नेता विक्रम प्रताप सिंह के नेतृत्व में प्रताप फाउंडेशन द्वारा विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी भव्य दहीहंडी उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। आगामी 5 सितंबर 2026 को दोपहर 3 बजे से रात 10 बजे तक आयोजित होने वाले इस उत्सव में 31 लाख रुपये की दहीहंडी आकर्षण का केंद्र रहेगी। कार्यक्रम का आयोजन सेंट्रल प्लाजा हॉल सर्कल (ओल्ड बैंक ऑफ इंडिया), शांति पार्क, मीरारोड पूर्व में किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम में सिनेमा जगत के सितारों के साथ-साथ सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े गणमान्य लोगों, जनप्रतिनिधियों तथा क्षेत्र की विभिन्न हस्तियों के शामिल होने की संभावना है। प्रताप फाउंडेशन परिवार द्वारा लंबे समय से सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जाता रहा है। इसी क्रम में आयोजित इस दहीहंडी उत्सव को लेकर गोविंदा पथकों में भी उत्साह देखा जा रहा है। प्रताप फाउंडेशन के चेयरमैन एवं शिवसेना मीराभाईंदर जिला समन्वयक विक्रम प्रताप सिंह तथा प्रताप फाउंडेशन के जिलाध्यक्ष एवं शिवसेना मीराभाईंदर के महामंत्री विद्याशंकर चतुर्वेदी ने सभी गोविंदा पथकों से दहीहंडी उत्सव में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

डा. राजेश्वर उनियाल उत्तराखंड भाषा संस्थान के सदस्य नियुक्त

मुंबई। मुंबई के वरिष्ठ साहित्यकार डा. राजेश्वर उनियाल को उत्तराखंड सरकार ने उत्तराखंड भाषा संस्थान का सदस्य नियुक्त किया है। डा. उनियाल 40 वर्षों तक राजभाषा के विभिन्न पदों पर कार्यरत रहे व वर्तमान में होटल प्रबंधन संस्थान, दादर में हिंदी सलाहकार हैं। आपने मुंबई विश्वविद्यालय से डा. शीतला प्रसाद दुबे के मार्गदर्शन में हिंदी लोक साहित्य में पीएचडी की थी। उनकी सृजनशीलता को देखते हुए भारत के माननीय राष्ट्रपति ने भी पुरस्कृत किया है। इसी के साथ आप दो बार महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी से सदस्य भी रहे। कई पुरस्कारों से सम्मानित डा. राजेश्वर उनियाल एक ओजस्वी वक्ता तथा कवि भी हैं।

लगातार बारिश से गरीबों के आशियाने पर मंडराया खतरा, कनहर डिवीजन के खिलाफ ग्रामीणों का प्रदर्शन

कोन,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। लगातार हो रही बारिश से ग्राम पंचायत कुड़वा के टोला तुमियां कमरान में जलभराव की समस्या गंभीर हो गई है। नहर किनारे सड़क निर्माण के दौरान बांध के जलनिकासी मार्ग बंद किए जाने से करीब 600 मीटर फसल जलमग्न हो गई है और पानी अब ग्रामीणों के घरों के करीब पहुंच गया है।

ग्रामीणों का आरोप है कि वर्ष 1985 में बने बांध में पानी की निकासी के लिए बनाए गए कई निकास द्वार सड़क निर्माण के दौरान बंद कर दिए गए। इसकी शिकायत कई बार संबंधित अधिकारियों से की गई, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। बुधवार को राम बेलास गोंड की अगुवाई में दर्जनों ग्रामीणों ने कनहर सिंचाई परियोजना निर्माण खंड-6 के खिलाफ प्रदर्शन कर जिलाधिकारी से तत्काल जलनिकासी की व्यवस्था कराने की मांग की। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि बारिश जारी रही तो उनके कच्चे मकानों के गिरने का खतरा है।

विभाग की ओर से जलनिकासी के लिए जेसीबी मौके पर भेजी गई, लेकिन कुछ किसानों ने इसका विरोध किया। किसानों का कहना है कि बांध काटने से नीचे के दर्जनों किसानों की धान की फसल बर्बाद हो जाएगी। उन्होंने वैकल्पिक व्यवस्था के तहत मशीनों से पानी पंडा नदी में गिराने तथा फसल और जलभराव से हुए नुकसान का मुआवजा देने की मांग की। अधिशासी अभियंता, कनहर डिवीजन निर्माण खंड-6 ने समस्या का जल्द समाधान कराने का आश्वासन दिया है।

भोयदापाड़ा प्रोसेसिंग मामले में एफआईआर की खामियां दूर कर दोषियों पर हो सख्त कार्रवाई : स्नेहा दुबे पंडित

मुंबई। वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के भोयदापाड़ा (गोखिवारे) स्थित वेस्ट प्रोसेसिंग एवं बायो-माइनिंग प्रोजेक्ट में कथित करोड़ों रुपये की वित्तीय अनियमितताओं को लेकर विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मंत्रालय में मुलाकात की। उन्होंने मामले में दर्ज ऋफ्रनंबर 0474/2026 में कथित कमियों को दूर कर विस्तृत जांच कराने की मांग करते हुए मुख्यमंत्री को एक पत्र सौंपा।

विधायक के मुताबिक, मौजूदा ऋफ्रमें कथित फर्जी फ्क्रप्रमाणपत्र के आधार पर करीब ?37.66 करोड़ की धोखाधड़ी का उल्लेख है, जबकि पूरे मामले में वित्तीय और प्रशासनिक स्तर पर कई अन्य गंभीर अनियमितताओं की आशंका है। उन्होंने सप्लीमेंट्री शिकायत दर्ज कर सभी आरोपों को जांच में शामिल करने की मांग की। उनके अनुसार, पूरे मामले में कथित वित्तीय अनियमितता करीब 64 करोड़ तक हो सकती है।

स्नेहा दुबे पंडित ने टेंडर प्रक्रिया में प्रस्तुत योग्यता, वित्तीय क्षमता और काम से जुड़े दस्तावेजों की जांच के साथ कचरे की घनत्व 340 किलोग्राम प्रति घन मीटर से बढ़ाकर 480 किलोग्राम प्रति घन मीटर दिखाकर कथित रूप से बिलों में बढ़ोतरी किए जाने की भी जांच की मांग की। साथ ही फ्क्रतैयार करने के लिए प्रस्तुत कथित फर्जी प्रमाणपत्रों तथा प्रोजेक्ट के दौरान प्राकृतिक पत्थर के कथित अवैध उत्खनन और पर्यावरणीय नियमों के उल्लंघन की जांच की मांग की गई है। उन्होंने कहा कि जांच केवल ठेकेदार तक सीमित नहीं होनी चाहिए। संबंधित अधिकारियों, इंजीनियरों, तकनीकी सलाहकारों और नगर निगम के वित्त एवं लेखा विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में लाई जानी चाहिए, खासकर यदि बिना उचित सत्यापन के भुगतान स्वीकृत किए गए हों। विधायक ने वर्ष 2023 से ठेकेदार को किए गए सभी भुगतानों का स्वतंत्र फोरेंसिक ऑडिट कराने तथा वित्तीय धोखाधड़ी साबित होने पर कानून के अनुसार संबंधित लोगों की संपत्तियों और बैंक खातों पर कार्रवाई करने की मांग की। साथ ही नगर निगम को हुए आर्थिक नुकसान और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के जुमार्ने की राशि की जिम्मेदारी तय कर संबंधित लोगों से वसूली की मांग भी की।

स्नेहा दुबे पंडित ने कहा, ह्लवसई-विरार के लोगों को उनके पैसे का हिसाब मिलना चाहिए। यदि वेस्ट प्रोसेसिंग प्रोजेक्ट के नाम पर करोड़ों रुपये की हेराफेरी हुई है, तो इसकी निष्पक्ष और जड़ तक जाकर जांच होनी चाहिए।

वैतरणा के लोगों के दर्द पर गंभीर हुए डॉ. हेमंत सावरा मंत्री, गणेश नाइक और नितेश राणे से की मुलाकात

पालघर। वैतरणा रेलवे स्टेशन और आसपास के क्षेत्र में नागरिकों एवं स्कूली बच्चों द्वारा रेलवे ट्रैक के रास्ते आवागमन किए जाने की गंभीर समस्या को लेकर पालघर लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सावरा ने तत्काल पहल की है। 29 अगस्त 2026 को वैतरणा रेलवे स्टेशन और आसपास के इलाकों का निरीक्षण करने के दौरान उन्होंने लोगों और विद्यार्थियों को जान जोखिम में डालकर रेलवे ट्रैक पार करते देखा। इस स्थिति को देखते हुए सांसद सावरा ने संबंधित मंत्रियों से मुलाकात कर समस्या के स्थायी समाधान की मांग की।

सांसद डॉ. सावरा ने महाराष्ट्र के वन एवं पालघर जिले के संरक्षक मंत्री एन. गणेश नाइक से मुलाकात कर गदगद और वैतरणा को जोड़ने वाले सुरक्षित पुल के निर्माण की मांग रखी। उन्होंने आग्रह किया कि पुल निर्माण के लिए तत्काल सर्वेक्षण कराया जाए तथा आवश्यक बजट तैयार कर कार्य को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने यह भी मांग की कि जब तक स्थायी पुल का निर्माण पूरा नहीं होता, तब तक नागरिकों के लिए सुरक्षित वैकल्पिक आवागमन की व्यवस्था की जाए। सांसद सावरा ने फिशरीज एवं पोर्ट्स मंत्री एन. नितेश राणे से भी मुलाकात कर जेट्टी को परिवहन के लिए तत्काल शुरू करने की मांग की। उनका कहना है कि खराब मौसम के दौरान सड़क मार्ग से आवागमन प्रभावित होने पर मरीजों और आम नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में जेट्टी के माध्यम से एम्बुलेंस, बड़े वाहन, दोपहिया और चारपहिया वाहनों सहित आम नागरिकों के सुरक्षित आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराई जा सकती है। उन्होंने संबंधित विभागों से सभी आवश्यक तकनीकी एवं प्रशासनिक प्रक्रियाएं शीघ्र पूरी कर जेट्टी को परिवहन के लिए उपयोग में लाने का आग्रह किया।

डॉ. हेमंत सावरा ने कहा कि मेरे लोकसभा क्षेत्र का एक भी नागरिक या छात्र रेलवे ट्रैक पर किसी दुर्घटना में अपनी जान नहीं गंवाना चाहिए। लोगों की सुरक्षा के लिए पुल और जेट्टी का मुद्दा प्राथमिकता के साथ उठाता रहूंगा।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना की कार्यशाला में 300 से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत एक दिवसीय विशेष कार्यशाला आयोजित की गई। जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. के निर्देशन और मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में 300 से अधिक युवा लाभार्थियों और विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

कार्यशाला में युवाओं को योजना की पात्रता, आवश्यक दस्तावेज, प्रोजेक्ट रिपोर्ट, ऋण आवेदन प्रक्रिया और व्यवसाय प्रबंधन की जानकारी दी गई। विशेषज्ञ डॉ. अमित सिन्हा ने युवाओं को उद्यम स्थापित करने और सफलतापूर्वक संचालित करने के संबंध में मार्गदर्शन दिया।

दूसरे सत्र में बैंकर्स को ऋण आवेदनों के त्वरित निस्तारण, पोर्टल की तकनीकी प्रक्रिया और ऋण स्वीकृति में आने वाली समस्याओं के समाधान की जानकारी दी गई। पूर्व बैंकर मुकेश वार्ष्णेय ने प्रशिक्षण प्रदान किया।

डिप्टी कमिश्नर इंडस्ट्रीज आशुतोष सहाय पाठक ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य युवाओं और बैंकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध तरीके से ऋण उपलब्ध कराना है।

कार्यक्रम में सफल उद्यमी प्रदीप कुमार प्रजापति ने अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत उन्हें मात्र 72 घंटे में तीन लाख रुपये का ऋण मिला, जिससे उन्होंने स्वदेशी पेपर प्लेट निर्माण उद्योग शुरू किया।

कार्यशाला में अधिकारियों, बैंक प्रतिनिधियों और विशेषज्ञों ने युवाओं की जिज्ञासाओं का समाधान किया। इस अवसर पर असिस्टेंट कमिश्नर जय प्रकाश, अग्रणी जिला प्रबंधक कुमार हर्षमान, विनायक शंकर तिवारी, रामनवल चौहान, रणजीत कुमार वर्मा सहित जिला उद्योग केंद्र के अधिकारी-कर्मचारी एवं विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

36 घंटे में बोलेरो चोरी का खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार; चोरी की बोलेरो और बाइक बरामद

शक्तिनगर,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। थाना शक्तिनगर पुलिस ने बोलेरो चोरी की घटना का 36 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे और निशानदेही पर चोरी की बोलेरो, एक चोरी की मोटरसाइकिल और बोलेरो की नंबर प्लेट बरामद की है।

पुलिस के मुताबिक 25 अगस्त की रात एनटीपीसी शक्तिनगर के डीएम प्लांट के पास खड़ी कंपनी की बोलेरो JH01CE0558 चोरी हो गई थी। मामले में 31 अगस्त को थाना शक्तिनगर में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस टीम ने सुरागरसी और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए अम्बिकेश्वर प्रसाद दुबे निवासी सिंगरौली, मध्य प्रदेश को 1 सितंबर की रात गिरफ्तार किया। आरोपी की निशानदेही पर चोरी की बोलेरो, हीरो पैशन प्रो मोटरसाइकिल MP66 MF 1040 और बोलेरो की नंबर प्लेट बरामद की गई।

बाढ़ की समस्या को लेकर मीडिया से रूबरू हुए भाजपा नेता विशाल सेठ

आजमगढ़। आजमगढ़ जनपद के सगड़ी तहसील अंतर्गत गोपालपुर विधानसभा क्षेत्र के परशुरामपुर निवासी भाजपा नेता विशाल सेठ देवारा क्षेत्र में बाढ़ की समस्या सहित क्षेत्रीय जनसमस्याओं को लेकर मीडिया से रूबरू हुए। इस दौरान उन्होंने देवारा क्षेत्र में प्रतिवर्ष आने वाली बाढ़, ग्रामीणों की समस्याओं तथा शासन-प्रशासन द्वारा किए जा रहे राहत एवं विकास कार्यों को लेकर विस्तार से अपनी बात रखी। मंगलवार दोपहर लगभग दो बजे मीडिया से बातचीत करते हुए भाजपा नेता विशाल सेठ ने कहा कि देवारा क्षेत्र भौगोलिक दृष्टि से काफी संवेदनशील क्षेत्र है और यहां प्रतिवर्ष बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होने से बड़ी संख्या में ग्रामीण प्रभावित होते हैं। बाढ़ के दौरान लोगों को आवागमन, कृषि, पशुपालन, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं सहित कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में शासन और प्रशासन द्वारा क्षेत्र की परिस्थितियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार देवारा सहित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की समस्याओं को गंभीरता से ले रही है। शासन के निर्देश पर प्रशासनिक अधिकारी लगातार क्षेत्र की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और जरूरत के अनुसार आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

सुषमा यादव एडवोकेट को मिली बड़ी जिम्मेदारी, समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में सुषमा यादव एडवोकेट की महत्वपूर्ण एंट्री हुई है। राष्ट्रीय अध्यक्ष सीमा राजभर बागी (भावना) की ओर से 31 अगस्त 2026 को जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार सुषमा यादव को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, समाजवादी महिला सभा बनाया गया है।

नियुक्ति पत्र में कहा गया है कि पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने तथा संगठन को मजबूत और गतिशील बनाने के उद्देश्य से उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सुषमा यादव लंबे समय से सामाजिक एवं राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय रही हैं। वर्ष 2025 में उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के चुनाव के दौरान उन्होंने प्रदेश के विभिन्न जिलों, तहसीलों और विधानसभा क्षेत्रों में व्यापक दौरा कर महिलाओं को संगठन से जोड़ने में सक्रिय भूमिका निभाई। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में भी इटावा, सैफई, प्रयागराज और गाजीपुर समेत कई क्षेत्रों में चुनाव प्रचार में उनकी सक्रिय भागीदारी रही।

इसके अलावा पिछले कई उपचुनावों में भी उनकी सक्रियता का उल्लेख किया गया है। प्रयागराज, मिल्कीपुर और कानपुर सहित विभिन्न क्षेत्रों में उन्होंने संगठनात्मक गतिविधियों और चुनाव प्रचार में भूमिका निभाई।

सुषमा यादव पिछले करीब 22 वर्षों से इलाहाबाद उच्च न्यायालय में क्रिमिनल अधिवक्ता के रूप में कार्यरत हैं। पार्टी से जुड़े लोगों का मानना है कि प्रदेश के विभिन्न जिलों और विधानसभा क्षेत्रों में उनकी सक्रियता तथा महिलाओं के बीच संपर्क को देखते हुए उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर यह जिम्मेदारी दी गई है।

2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच समाजवादी महिला सभा में यह नियुक्ति संगठन के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। माना जा रहा है कि नई जिम्मेदारी के तहत सुषमा यादव प्रदेश में महिला संगठन को मजबूत करने और अधिक से अधिक महिलाओं को पार्टी से जोड़ने की दिशा में काम करेंगी।

पोइसर मर्चेंट वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष बने दिलीप त्रिवेदी

-रमेश प्रजापति

मुंबई। सामाजिक क्षेत्र में किसी पद की सार्थकता तभी होती है, जब उसका उपयोग समाज एवं व्यापारियों की सेवा के लिए किया जाए। इसी भावना को ध्यान में रखते हुए पोइसर (ईस्ट) मर्चेंट वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्यों ने एक बार फिर दिलीप भाई त्रिवेदी को सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी। इस अवसर पर संगठन के सदस्यों ने उनके पूर्व कार्यकाल में किए गए सामाजिक एवं व्यापारी हित के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें शॉल, श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया।

एसोसिएशन के सदस्यों ने बताया कि दिलीप त्रिवेदी के नेतृत्व में संगठन ने व्यापारियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक एकता एवं धार्मिक गतिविधियों के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। इनमें पोइसर क्षेत्र की सड़क के दोनों ओर सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था, पिछले वर्षों में दो बार धार्मिक यात्राओं का आयोजन, अधिक से अधिक व्यापारियों को संगठन से जोड़ना तथा करीब 70 से 80 व्यापारियों के आयुष्मान कार्ड बनवाने में सहयोग प्रमुख है। इसके अलावा संगठन की ओर से दो बार भव्य राम रथ यात्रा का भी आयोजन किया गया। संगठन द्वारा किए गए इन सामाजिक एवं व्यापारी हितैषी कार्यों को देखते हुए सदस्यों ने पुनः दिलीप त्रिवेदी पर विश्वास जताते हुए उन्हें अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी।

नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष दिलीप भाई त्रिवेदी (पूजा मेडिकल स्टोर्स), सचिव छगनलाल माली (सम्राट कलेक्शन), कोषाध्यक्ष बाबुसिंह गोयल (जय महाराष्ट्र मेडिकल), उपाध्यक्ष हंसारामजी पवार (भवानी स्टोर्स), मोहनसिंह सिसोदिया (महालक्ष्मी ज्वेलर्स), मनोज (स्कॉलर क्लासेस) एवं मनोज कारवीडेकर (केक शॉप) को बनाया गया है। उप-कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी फतेहलाल प्रजापत (प्रभात किराना स्टोर्स), कार्याध्यक्ष नरेन्द्र सिंह (किराणा स्टोर्स), महामंत्री सुरेश कुमार सोलंकी (न्यू सदगुरु मेडिकल स्टोर्स) तथा मंत्री पद की जिम्मेदारी सुजीत झा (एस.के. प्लास्टिक) को दी गई है। संचालन मंत्री कांतिलाल प्रजापत (आशीष मेडिकल, बिहारी टेकड़ी) तथा उप-संचालन मंत्री मांगीलालजी (विनायक ज्वेलर्स) बनाए गए हैं। कमेटी सदस्यों में मानाराम पटेल, नेमाराम भाटी, राजू गुप्ता, राजकुमार, किरण भाई, आकाश साहू, ओकाराम भाटी, अशोक सिंह, श्याम किशोर झा एवं ओगड़ भाई देवासी शामिल हैं।

नई कार्यकारिणी के गठन के अवसर पर सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा पोइसर क्षेत्र के व्यापारियों की समस्याओं एवं हितों के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया।

रोहनिया विधायक ने 27.64 लाख रुपये की लागत से इंटरलॉकिंग व ड्रेन निर्माण कार्य का किया शिलान्यास

वाराणसी, रोहनिया (उत्तरशक्ति)। रोहनिया विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देते हुए विधायक डॉ. सुनील पटेल ने बुधवार को मड़ाव स्थित अशरफी नगर फेज-2 में इंटरलॉकिंग एवं ड्रेन निर्माण कार्य का शिलान्यास किया।

अवस्थापना निधि वर्ष 2025-26 के अंतर्गत 27.64 लाख रुपये की लागत से उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद द्वारा यह कार्य कराया जाएगा। इसके तहत प्रेमशीला चतुर्वेदी के मकान से सत्यदेव तिवारी के मकान तक 219.80 मीटर लंबी इंटरलॉकिंग सड़क एवं सीके ड्रेन का निर्माण प्रस्तावित है। शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान कॉलोनीवासियों ने विधायक डॉ. सुनील पटेल का स्वागत किया। विधायक ने कहा कि क्षेत्र का सर्वांगीण विकास उनकी प्राथमिकता है और सड़क, जलनिकासी समेत मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार कार्य कराया जा रहा है।

इस अवसर पर डॉ. उमेश पटेल, प्रदेश महासचिव, जिलाध्यक्ष युवा मंच मानस सिंह, वरिष्ठ युवा नेता अभिमन्यु सिंह, जिला उपाध्यक्ष अखिलेश देवराज पटेल, विधानसभा अध्यक्ष बसंत लाल पटेल, कार्यालय प्रभारी राजकुमार कश्यप, ग्राम प्रधान प्रकाश कुमार गौंड, प्रदीप पटेल, भीम पटेल, विनोद पटेल, गोविंद पटेल, अवर अभियंता अनुज मौर्य, सहायक अभियंता राहुल चतुर्वेदी, ठेकेदार संजय कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

इंदौर में कम बारिश, तालाब आधे रह गए खाली

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर। कम बारिश ने अभी से इंदौर की गर्मी का संकट बढ़ा दिया है। अगस्त बीतने के बाद भी शहर के प्रमुख तालाब आधे से ज्यादा खाली हैं और कई इलाकों में भूजल स्तर भी नहीं सुधरा है। यशवंत सागर में क्षमता के मुकाबले छह फीट पानी कम है।इंदौर में कम बारिश के कारण अब शहर में अगले साल होने वाले जलसंकट का खतरा मंडराने लगा है।शहर के तालाब अगस्त माह बीतने के बावजूद आधे से ज्यादा खाली हैं। इसके अलावा कई इलाकों के बोरिंगों में भी भरपूर पानी नहीं आ रहा है और कई मल्टियों में अभी भी पानी की पूर्ति के लिए टैंकर मंगाने पड़ रहे हैं।पिपलियाहाना तालाब को भरने के लिए नगर निगम सड़कों पर बहने वाले पानी को पाइपों के जरिए चैनल से तालाब तक लाया, लेकिन कम वर्षा होने के कारण तालाब खाली है। पिछले साल अगस्त माह तक कई तालाब भर चुक थे औरअतिरिक्त पानी तालाबों से चैनलों के जरिए बाहर निकाला गया था।पिपलियाहाना तालाब को भरने के लिए नगर निगम सड़कों पर बहने वाले पानी को पाइपों के जरिए चैनल से तालाब तक लाया, लेकिन कम वर्षा होने के कारण तालाब खाली है। पिछले साल अगस्त माह तक कई तालाब भर चुक थे और अतिरिक्त पानी तालाबों से चैनलों के जरिए बाहर निकाला गया था। पिपलियाहाना तालाब को भरने के लिए नगर निगम सड़कों पर बहने वाले पानी को पाइपों के जरिए चैनल से तालाब तक लाया, लेकिन कम वर्षा होने के कारण तालाब खाली है। पिछले साल अगस्त माह तक कई तालाब भर चुक थे और अतिरिक्त पानी तालाबों से चैनलों के जरिए बाहर निकाला गया था।

वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट 2027 के लिए 3 सितंबर 2026 को मुंबई के द ताज महल पैलेस में आयोजित होगा रोडशो

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल कांसुल जनरल्स और प्रमुख उद्योगपतियों के साथ करेंगे संवाद

मुंबई। वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट (VGGS) 2027 के सफल नई दिल्ली कर्टेन रेजर के बाद, 3 सितंबर 2026 को मुंबई के द ताज महल पैलेस, कोलाबा में रोड शो आयोजित किया जाएगा। VGGS 2027 से पहले आयोजित होने वाला यह रोडशो वैश्विक राजनयिक एवं कारोबारी समुदाय के साथ गुजरात के जुड़ाव को और मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और माननीय उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी शाम को कांसुल जनरल्स एवं प्रमुख उद्योगपतियों के साथ आयोजित संवाद कार्यक्रम को संबोधित करेंगे।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) के राष्ट्रीय अध्यक्ष आर. मुकुंदन के स्वागत संबोधन के साथ होगा। गुजरात सरकार के उद्योग एवं खान विभाग की अपर मुख्य सचिव VGGS 2027 पर प्रेजेन्टेशन देंगे। साथ ही, प्रमुख उद्योगपति भी गुजरात के साथ अपने अनुभव साझा करेंगे। इसके बाद गुजरात सरकार के मुख्य सचिव कार्यक्रम को संबोधित करेंगे।

रोडशो से पहले मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रमुख उद्योगपतियों के साथ वन-टू-वन बैठकें भी करेंगे। इन बैठकों में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, टाटा ट्रस्ट्स, महिंद्रा ग्रुप, एएम/एनएस इंडिया, एसटीटी ग्लोबल डेटा सेंटर्स इंडिया, गोदरेज इंडस्ट्रीज, ASSA ABLOY, सिप्ला लिमिटेड, सन फार्मा, लार्सन एंड टुब्रो जैसी कंपनियों एवं संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

वन-टू-वन बैठकों के दौरान उन्नत विनिर्माण, फार्मास्यूटिकल्स, स्वास्थ्य एवं वेलनेस, आईटी एवं वित्तीय सेवाएं, हरित ऊर्जा, तेल एवं ऊर्जा, जैव प्रौद्योगिकी, रियल एस्टेट, एब्रेसिव मटेरियल्स, औद्योगिक स्वचालन, हेवी इंजीनियरिंग और पेट्रोलियम सहित प्रमुख क्षेत्रों पर चर्चा होगी। इसके अलावा, वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट और गुजरात में उपलब्ध अवसरों को लेकर युवा उद्यमियों के साथ राउंडटेबल संवाद भी कार्यक्रम का हिस्सा होगा। इन संवादों में निवेश के अवसरों, विस्तार योजनाओं और रणनीतिक साझेदारियों पर विशेष रूप से चर्चा की जाएगी। साथ ही, गुजरात के मजबूत औद्योगिक इकोसिस्टम, विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे, निवेशक-अनुकूल नीतियों तथा सतत एवं प्रौद्योगिकी आधारित विकास के अगले चरण को गति देने के लिए राज्य की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया जाएगा।

चंद माह में ही धंस गई लाखों की सीसी सड़क, ग्रामीणों में आक्रोश

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकासखंड केराकत के ग्राम सरोज बड़ेवर में लाखों रुपये की लागत से बनाई गई सीसी सड़क चंद माह में ही धंसने लगी है। बरसात के दौरान सड़क के कई हिस्सों के बैठ जाने से ग्रामीणों में नाराजगी है। ग्रामीणों ने सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए पूरे मामले की जांच कराने की मांग की है। ग्रामीणों के अनुसार, गत मई माह में गांव में करीब 175 मीटर लंबी सीसी सड़क का निर्माण कराया गया था। निर्माण के तीन-चार माह बाद ही सड़क के कुछ हिस्सों में दरारें पड़ने और सड़क के बैठने की स्थिति सामने आ गई। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क अभी पूरी तरह पुरानी भी नहीं हुई थी कि उसकी हालत खराब होने लगी। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में मानकों की अनदेखी की गई है। उनका कहना है कि यदि निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से कराया गया होता तो इतनी कम अवधि में सड़क की यह स्थिति नहीं होती। सड़क के बैठने से आवागमन में भी परेशानी हो रही है। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य में कथित अनियमितता और गुणवत्ता की जांच के लिए जिले के वरिष्ठ अधिकारियों से मौके पर जांच कराने की मांग की है। उन्होंने दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के साथ ही सड़क को मानक के अनुरूप दुरुस्त कराने की मांग की है।

IFAT India 2026 में 30+ देशों से करीब 500 एगज़िबिटर्स मुंबई आएंगे

मुंबई। भारत में वॉटर सिक्योरिटी, वेस्टवॉटर ट्रीटमेंट, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट और रिसोर्स रिकवरी पर निवेश तेजी से बढ़ रहा है। इसी मोमेंटम के बीच, भारत और विदेशों की पर्यावरण टेक्नोलॉजी कंपनियां, नीति निर्माताओं, सरकारी और नगर निगम अधिकारियों और इंडस्ट्री लीडर्स IFAT India 2026 में मुंबई में एक साथ आएंगे। यह इवेंट 9-11 सितंबर 2026 तक Bombay Exhibition Centre, मुंबई में आयोजित होगा।

मेस्से म्यूनचेन इंडिया द्वारा आयोजित IFAT India, वॉटर, सीवेज, सॉलिड वेस्ट और रीसाइक्लिंग टेक्नोलॉजीज के लिए भारत का सबसे बड़ा ट्रेड फेयर है। 2026 एडिशन में 30+ देशों से करीब 500 प्रदर्शकों और 25,000+ आगंतुकों के आने की उम्मीद है। इनमें नगर निगम, गवर्नमेंट एजेंसियां, EPC कंपनियां, यूटिलिटीज, इंडस्ट्रीज, कंसल्टेंट्स, प्रोजेक्ट डेवलपर्स और प्रोक्योरमेंट टीमें शामिल होंगी। इस साल अंतर्राष्ट्रीय पार्टिसिपेशन को 6 देश पवेलियन मजबूत करेंगे, जिनमें चीन, जर्मनी, इटली, दक्षिण कोरिया, नॉर्वे और नीदरलैंड शामिल हैं। इनके माध्यम से भारतीय खरीदारों और प्रोजेक्ट से जुड़े लोगों को स्थापित पर्यावरण तकनीक बाजारों की तकनीकों और विशेषज्ञता तक सीधी पहुंच मिलेगी। प्रदर्शनी में कई विशेष प्लेटफॉर्म भी होंगे, जैसे रहअठ डिजिटल वॉटर पवेलियन, इंटरनेशनल वॉटर एसोसिएशन (IWA) पवेलियन, अर्बन लोकल बॉडीज पवेलियन, स्मार्ट SME पवेलियन और स्टार्ट-अप पवेलियन। आगामी एडिशन पर बोलते हुए भूपिंदर सिंह, प्रेसिडेंट IMEA (India, Middle East, Africa), मेस्से म्यूनचेन इंडिया और उएड, मेस्से म्यूनचेन इंडिया ने कहा, भारत का पर्यावरण इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर अब क्षमता बढ़ाने से आगे बढ़कर बड़े स्तर पर काम को लागू करने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। शहर और उद्योग ऐसी तकनीकों की तलाश में हैं, जो दक्षता बढ़ाएं, संसाधनों को दोबारा उपयोग में लाएं और लंबे समय तक भरोसेमंद प्रदर्शन दें। IFAT India तकनीक प्रदाताओं, शहरी निकायों और उद्योग उपयोगकर्ताओं को एक साथ लाता है, ताकि वे असली प्रोजेक्ट जरूरतों के आधार पर समाधान का मूल्यांकन कर सकें।

राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा ने किया आंदोलन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। 1 सितंबर को जौनपुर में यूजीसी रोल बैक, एसी एसटी आरक्षण के विरोध को लेकर पद यात्रा निकाली गई। जिसमें बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। उस पद यात्रा के दौरान राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा (फअ ट) ने जनपद जौनपुर जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया, जिसमें जिलाध्यक्ष अशोक कुमार तिवारी, प्रदेश सचिव विकास उपाध्याय, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष रवि दीक्षित, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष संजय उपाध्याय, जिला उपाध्यक्ष ओम प्रकाश तिवारी, विनोद पाण्डेय, अवनीश मिश्रा व जिलामंत्री दीपेंद्र उपाध्याय और वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनोद उपाध्याय समेत सैकड़ों पदाधिकारी व सदस्य भारी संख्या में पहुंच कर आंदोलन में भाग लिया।

फोर्स मोटर्स की बिक्री में अगस्त में 62 प्रतिशत की बढ़ोतरी

मुंबई। देश की सबसे बड़ी वैन निर्माता और प्रमुख वाहन कंपनियों में से एक, फोर्स मोटर्स लिमिटेड ने अगस्त 2026 में कुल 3,721 यूनिट की घरेलू बिक्री दर्ज की। अगस्त 2025 में यह आंकड़ा 2,295 यूनिट था, यानी इस बार इसमें 62 प्रतिशत की तेज बढ़ोतरी हुई है। इस मजबूत बढ़त से पता चलता है कि कंपनी के अलग-अलग वाहन सेगमेंट में मांग अच्छी बनी हुई है और ग्राहक उसके व्यापक प्रोडक्ट पोर्टफोलियो को पसंद कर रहे हैं। हाल के समय की एक बड़ी बात नई फोर्स ट्रैवलर एन और अर्बानिया डीलक्स की पेशकश रही है। बाजार से इन दोनों को उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है। शुरूआत में इन नए मॉडलों का उत्पादन बढ़ाया गया, और लॉन्च के बाद से इनकी वॉल्यूम स्थिर हो गई है। इससे कंपनी बाजार की मांग को ज्यादा नियमित रूप से पूरा कर पा रही है। ट्रैवलर एन ट्रैवलर की दमदार साख को आगे बढ़ाती है, जबकि अर्बानिया डीलक्स प्रीमियम शेयर्ड मोबिलिटी सेगमेंट में फोर्स मोटर्स की पकड़ को और पुख्ता करती है। कंपनी के प्रदर्शन पर फोर्स मोटर्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर प्रसन फिरोदिया ने कहा, अगस्त में जो तेज बढ़ोतरी हुई है, वह उत्साह बढ़ाने वाली है। यह दिखाती है कि हमारे पूरे पोर्टफोलियो को बढ़िया प्रतिक्रिया मिल रही है। हाल में आई ट्रैवलर एन और अर्बानिया डीलक्स ने हमारी प्रोडक्ट रेंज को और मजबूत किया है, और ग्राहकों का जो रिस्पॉन्स मिला है, उससे हम खुश हैं। हम आगे भी अपने ग्राहकों के करीब रहेंगे, उनकी जरूरतें समझेंगे और अपने प्रोडक्ट सुधारते रहेंगे, ताकि उन्हें और बेहतर सेवा दे सकें।

मेडिकल कॉलेज जौनपुर ने रचा इतिहास, दूरबीन विधि से कंधे का पहला सफल ऑपरेशन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के आर्थोपेडिक्स विभाग में दूरबीन विधि यानी

आर्थोस्कोपी से कंधे का पहला सफल ऑपरेशन किया गया। पाल्हामऊ खुर्द निवासी 48 वर्षीय युवक के कंधे का ऑपरेशन विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. उमेश सरोज एवं डॉ. रोहित सरोज की टीम ने सफलतापूर्वक किया। ऑपरेशन के बाद मरीज की हालत सामान्य है और चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार जारी है। मरीज पिछले करीब आठ माह से कंधे की चोट के बाद बार-बार कंधा उतरने की समस्या से परेशान था। दैनिक कार्यों के दौरान भी उसे कंधा दोबारा उतरने का डर बना रहता था। चिकित्सकीय जांच के बाद आर्थोस्कोपी के माध्यम से ऑपरेशन का निर्णय लिया गया। आर्थोस्कोपी आधुनिक और जटिल शल्य चिकित्सा पद्धति है, जिसमें छोटे चीरे के माध्यम से दूरबीन की सहायता से कंधे के अंदरूनी हिस्से की समस्या का उपचार किया जाता है। मेडिकल कॉलेज में इस उन्नत तकनीक से कंधे का पहला सफल ऑपरेशन होना जिले के मरीजों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। ऑपरेशन में डॉ. राजेश, डॉ. सिद्धार्थ, डॉ. अशोक, डॉ. दीपक, नर्सिंग अधिकारी अनुज और आस्था तथा सहायक कर्मचारी अभिषेक पुष्कर, प्रेम कुमार और सुनील कुमार का महत्वपूर्ण योगदान रहा। एनेस्थीसिया की जिम्मेदारी डॉ. अरविंद पटेल एवं डॉ. अनिल ने संभाली। मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) आर.बी. कमल ने पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि संस्थान में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है, ताकि जौनपुर और आसपास के मरीजों को उच्च स्तरीय उपचार स्थानीय स्तर पर मिल सके।

करघे से यूरोप तक बनारस की दस्तक, एफटीए से वैश्विक बाजार में नई उड़ान

पूर्वांचल के वस्त्र उद्योग को ग्लोबल पहचान दिलाने पर मंथन, निर्यातकों को टैरिफ रियायतों से लेकर रूल्स ऑफ ओरिजिन तक की जानकारी

-सुरेश गांधी

वाराणसी। बनारस और पूर्वांचल के वस्त्र उद्योग को वैश्विक बाजार में नई पहचान दिलाने की दिशा में बुधवार को महत्वपूर्ण पहल हुई। वस्त्र मंत्रालय के अधीन वस्त्र समिति द्वारा संचालित टेक्सटाइल एक्सपोर्ट फैसिलिटेशन सेंटर, वाराणसी की ओर से आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते को लेकर निर्यातकों और वस्त्र निर्माताओं को संभावनाओं और चुनौतियों से रूबरू कराया गया।

कार्यक्रम का मुख्य विषय बिल्डिंग ग्लोबल कॉम्पिटिटिवनेसः इंडिया-ईयू फ्री ट्रेड एग्रीमेंट एंड एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन फॉर टेक्सटाइल सेक्टर रहा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वस्त्र मंत्रालय की टेक्सटाइल कमिश्नर सुश्री वृंदा मनोहर देसाई ने दीप प्रज्वलित कर सत्र का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि वैश्विक बाजार तेजी से बदल रहा है। ऐसे में वस्त्र उद्योग को अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता, मानकों और खरीदारों की बदलती जरूरतों के अनुरूप स्वयं को तैयार करना होगा। उन्होंने स्थानीय उद्यमियों से सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाकर निर्यात क्षमता बढ़ाने का आह्वान किया। वस्त्र समिति के सचिव कार्तिकेय ढांडा ने कहा कि TEFC निर्यातकों के लिए सुविधा और मार्गदर्शन का महत्वपूर्ण केंद्र है। इसका उद्देश्य स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने में आने वाली व्यावहारिक अड़चनों को दूर करना और निर्यातकों को हर स्तर पर आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराना है।

एफटीए से लेकर टैरिफ तक समझीं बारीकियां

वस्त्र समिति के सहायक निदेशक श्री अम्बरीश सिंह ने भारत-ईयू एफटीए के तहत वस्त्र उद्योग के लिए संभावित अवसरों, टैरिफ रियायतों, रूल्स ऑफ ओरिजिन और आवश्यक दस्तावेजीकरण की जानकारी दी। एक्जिम बैंक, लखनऊ के रीजनल हेड श्री आशीष सोनी ने एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन (एइढ) के साथ निर्यातकों और एमएसएमई के लिए उपलब्ध वित्तीय एवं रणनीतिक सहायता की जानकारी साझा की। डीजीएफटी की ओर से भी निर्यात संबंधी दिशा-निर्देशों पर प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में संयुक्त डीजीएफटी-वाराणसी आलोक द्विवेदी, कारपेट एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (उएढउ) के वाइस चेयरमैन असलम महबूब और पूर्वी उत्तर प्रदेश निर्यातक संघ (एवढएअ) के कोषाध्यक्ष राजेश कुशवाहा समेत अनेक प्रतिनिधि मौजूद रहे। अंत में प्रश्नोत्तर एवं संवाद सत्र में वाराणसी और आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे वस्त्र निर्माताओं, निर्यातकों और एमएसएमई प्रतिनिधियों ने भारत-ईयू एफटीए, एचएस कोडिंग, निर्यात प्रक्रिया और नियामकीय अनुपालनों से जुड़े सवाल पूछे। विशेषज्ञों ने सवालों के समाधान के साथ वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बनने की रणनीति भी साझा की।

बाढ़ में राहत की रफ्तार तेज, दो दिन में सड़क के गड्ढे होंगे दुरुस्त

वाराणसी। गंगा के बढ़ते जलस्तर के बीच प्रदेश के स्टाम्प एवं न्यायालय पंजीयन शुल्क राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल ने बुधवार को सर्किट हाउस में अधिकारियों के साथ बैठक कर बाढ़ राहत कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि बाढ़ प्रभावित प्रत्येक व्यक्ति को शासन की राहत सुविधाएं प्राथमिकता पर उपलब्ध कराई जाएं। राहत शिविरों में रहने, भोजन और जरूरत के अनुसार चिकित्सा सुविधा की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित हो। मंत्री ने शिविरों में रह रहे बुजुर्गों और बच्चों के लिए दूध व फल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। चेतावनी बिंदु पार होने की सूचना से लोगों में भय न फैले, इसके लिए प्रशासन को लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर लोगों को भरोसा दिलाने को कहा। राहत शिविरों में निर्बाध बिजली आपूर्ति और बाढ़ प्रभावित पशुओं के लिए पर्याप्त चारे की व्यवस्था के भी निर्देश दिए। बरसात में क्षतिग्रस्त सड़कों और गड्ढों को दो दिन के भीतर हर हाल में दुरुस्त कराने तथा गलियों में स्ट्रीट लाइट चालू रखने को कहा। बाद में मंत्री ने जेपी मेहता राहत शिविर पहुंचकर प्रभावित परिवारों को खाद्यान्न किट बांटे और उनका कुशलक्षेम पूछा। बच्चों को चॉकलेट भी दी। 35 नावें राहत कार्य में लगाई गईं। सभी नावों पर टॉर्च के साथ एक-एक पुलिसकर्मी तैनात रहेगा। 16 बाढ़ राहत चौकियों पर मेडिकल टीमें सक्रिय हैं। राहत शिविरों में तीन समय भोजन, नाश्ता, दूध-फल और सुरक्षा की व्यवस्था है। अब तक एक तहसील के 14 गांव प्रभावित बताए गए हैं। पशुओं के लिए 692 कैंपों के माध्यम से जरूरी दवाएं वितरित की जा चुकी हैं।

एशिया रग्बी U-18 चैंपियनशिप में बिहार का दबदबा, भारतीय टीम में 8 खिलाड़ियों का चयन

पटना। चीन के किंगदाओ (Qingdao) में 5 और 6 सितंबर को आयोजित होने वाली एशिया रग्बी एमिरेट्स U-18 7s चैंपियनशिप 2026 के लिए भारतीय राष्ट्रीय टीम की घोषणा कर दी गई है। प्रतियोगिता में बिहार के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना दबदबा कायम किया है। इंडिया कैंप के लिए चयनित बिहार के सभी आठ खिलाड़ियों ने अंतिम 12 सदस्यीय भारतीय टीम में जगह बनाकर शत-प्रतिशत चयन का रिकॉर्ड कायम किया है। बिहार के लिए सबसे गौरवपूर्ण उपलब्धि यह है कि बालक और बालिका दोनों वर्गों में भारतीय टीम की कप्तानी बिहार के खिलाड़ियों को सौंपी गई है। पटना के रोहित कुमार को भारतीय बालक टीम का कप्तान बनाया गया है, जबकि पटना की सलोनी कुमारी भारतीय बालिका टीम की कमान संभालेंगी। बालिका वर्ग में चयनित खिलाड़ीः सलोनी कुमारी (कप्तान), आरती कुमारी और ब्यूटी कुमारी (पटना), तथा सिमरन परवीन (सीवान) शामिल हैं। वहीं बालक वर्ग में रोहित कुमार (कप्तान- पटना), शुभम कुमार (मुजफ्फरपुर), पवन राज (नवादा) और बजरंगी कुमार (नालंदा) भारतीय टीम का हिस्सा हैं। रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन ऑफ बिहार के सचिव डॉ. पंकज कुमार ज्योति ने इस उपलब्धि की जानकारी साझा करते हुए कहा कि बिहार के खिलाड़ियों ने कड़े अभ्यास और लगातार बेहतर प्रदर्शन के दम पर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है। उन्होंने इसे राज्य के खेल इतिहास में एक अभूतपूर्व उपलब्धि बताया। इस उपलब्धि पर बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, खेल मंत्री श्रेयशी सिंह, एमएलसी एवं रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन ऑफ बिहार के अध्यक्ष संजय मयूख तथा बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के डीजी रविंद्र शंकरण ने सभी चयनित खिलाड़ियों, दोनों कप्तानों और संघ को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारतीय टीम चीन में शानदार प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन करेगी। बिहार के इन आठ खिलाड़ियों के चयन और दोनों वर्गों की कप्तानी मिलने से राज्य में रग्बी खेल को नई पहचान और खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने का नया उत्साह मिला है।

जनसेवा के सफर में रविंद्र का जन्मदिन, उमड़ा अपनापन

वाराणसी। प्रदेश सरकार के स्टाम्प एवं न्यायालय पंजीयन शुल्क राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविंद्र जायसवाल का जन्मदिन मंगलवार को गुलाब बाग स्थित कार्यालय में उल्लास और आत्मीयता के बीच मनाया गया। सुबह से ही बधाई देने वालों का सिलसिला शुरू हो गया। कार्यकर्ताओं, क्षेत्रीय नागरिकों और समर्थकों ने केक काटकर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। समारोह में उस समय आत्मीयता का रंग और गहरा हो गया, जब उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय कल्याण सिंह की बेटी के जन्मदिन का संयोग भी मंगलवार को ही रहा। उनके वाराणसी आगमन पर गुलाब बाग कार्यालय में रविंद्र जायसवाल ने उनके साथ केक काटकर अपना जन्मदिन मनाया। दोनों को एक साथ जन्मदिन की शुभकामनाएं देने के लिए कार्यकर्ताओं और उपस्थित लोगों में खासा उत्साह दिखाई दिया।

समर्थकों ने राज्य मंत्री को पुष्पगुच्छ भेंट किए और मिठाई खिलाकर बधाई दी। बड़ी संख्या में जुटे कार्यकर्ताओं और क्षेत्रीय लोगों के बीच जन्मदिन समारोह महज औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि जनप्रतिनिधि और जनता के बीच आत्मीय रिश्ते का अवसर बन गया।समारोह में इस्कॉन मंदिर के पुजारी और अक्षय पात्र से जुड़े गुरुजी समेत अन्य कलाकारों ने भक्ति संगीत की प्रस्तुतियां दीं। मधुर सुरों और भक्ति गीतों से गुलाब बाग कार्यालय का वातावरण देर तक भक्तिमय बना रहा। संगीत की प्रस्तुतियों ने समारोह में उत्सव के साथ आध्यात्मिक रंग भी घोल दिया। जन्मदिन समारोह में रविंद्र जायसवाल ने कार्यकर्ताओं और क्षेत्रीय नागरिकों के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि जनता और कार्यकर्ताओं का स्नेह, विश्वास और आशीर्वाद उनके लिए हमेशा ऊर्जा और प्रेरणा का स्रोत रहा है। उन्होंने कहा कि जनसेवा के दायित्व को पूरी निष्ठा के साथ निभाते हुए क्षेत्र और प्रदेश के विकास के लिए निरंतर प्रयास करते रहेंगे।समारोह में उमड़ी भीड़ और बधाई देने पहुंचे लोगों का उत्साह इस बात का गवाह रहा कि राजनीति के औपचारिक दायरों से परे भी जनप्रतिनिधि और जनता के बीच विश्वास व अपनत्व का रिश्ता अपनी अलग पहचान रखता है।

समाजवादी पार्टी ने आर .एन . यादव को फिर बनाया नवीं मुंबई का अध्यक्ष

अब्बु आजमी ने जताया भरोसा, कल्याण और ठाणे की भी मिली जिम्मेदारी, उत्तर प्रदेश में भी बड़ी जिम्मेदारी मिलने के संकेत

नवी मुंबई(उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी ने संगठन को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए आर.एन. यादव को एक बार फिर नवी मुंबई समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी है। समाजवादी पार्टी के मुंबई अध्यक्ष अब्बु आजमी ने आर.एन. यादव पर दोबारा विश्वास जताते हुए उन्हें नवी मुंबई संगठन की कमान सौंपी है। इसके साथ ही उन्हें कल्याण और ठाणे क्षेत्र का प्रभारी भी बनाया गया है।

आर.एन. यादव की दोबारा नियुक्ति को पार्टी संगठन में उनके लंबे राजनीतिक अनुभव, सक्रियता और नेतृत्व क्षमता पर पार्टी नेतृत्व के भरोसे के रूप में देखा जा रहा है। पार्टी के भीतर उनकी संगठनात्मक भूमिका लगातार महत्वपूर्ण रही है।

समाजवादी पार्टी से शुरू हुआ राजनीतिक सफर

आर.एन. यादव ने अपने राजनीतिक सफर की शुरूआत कल्याण से समाजवादी पार्टी के माध्यम से की थी। शुरूआती दौर से ही वे पार्टी के कार्यक्रमों, संगठनात्मक गतिविधियों और कार्यकताओं के बीच सक्रिय रहे। धीरे-धीरे उन्होंने पार्टी संगठन में अपनी अलग पहचान बनाई और वरिष्ठ नेताओं के साथ बेहतर समन्वय स्थापित किया।

समाजवादी पार्टी में सक्रिय भूमिका निभाने के दौरान आर.एन. यादव की नजदीकी पार्टी के मुंबई अध्यक्ष अब्बु आजमी से भी बढ़ी।

संगठन के प्रति उनकी सक्रियता और लगातार काम करने की क्षमता के चलते आजमी का उन पर विश्वास मजबूत होता गया। यही विश्वास अब एक बार फिर नवी मुंबई अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपे जाने के रूप में सामने आया है।

नवी मुंबई में संगठन विस्तार की चुनौती

नवी मुंबई जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में समाजवादी पार्टी को मजबूत करना आर.एन. यादव के सामने बड़ी जिम्मेदारी होगी। पार्टी कार्यकर्ताओं को एकजुट करना, नए कार्यकर्ताओं को संगठन से जोड़ना, बूथ स्तर तक पार्टी की गतिविधियों को मजबूत करना और जनता से जुड़े मुद्दों को राजनीतिक मंच पर उठाना उनकी प्राथमिक चुनौतियों में शामिल रहेगा।

पार्टी नेतृत्व को उम्मीद है कि आर.एन. यादव अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए नवी मुंबई में समाजवादी पार्टी के संगठन को और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाएंगे। वहीं, कल्याण और ठाणे का प्रभारी बनाए जाने से उनके जिम्मेदारी का दायरा और बढ़ गया है।

अब्बु आजमी के भरोसे की बड़ी जिम्मेदारी

आर.एन. यादव की दोबारा नियुक्ति को अब्बु आजमी के साथ उनके मजबूत संगठनात्मक संबंधों और नेतृत्व के विश्वास से जोड़कर देखा जा रहा है। पार्टी के लिए लगातार सक्रिय रहने वाले नेताओं में आर.एन. यादव की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। ऐसे में एक साथ नवी मुंबई अध्यक्ष तथा कल्याण-ठाणे प्रभारी की जिम्मेदारी मिलना उनके राजनीतिक कद में बढ़ोतरी के तौर पर भी देखा जा रहा है।

राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा भी है कि आने वाले समय में उत्तर प्रदेश में होने वाले चुनावों और पार्टी की संगठनात्मक गतिविधियों में आर.एन. यादव को समाजवादी पार्टी की ओर से कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी जा सकती है। हालांकि उत्तर प्रदेश में उनकी संभावित भूमिका को लेकर अंतिम निर्णय पार्टी नेतृत्व द्वारा ही लिया जाएगा।

कार्यकताओं में उत्साह

आर.एन. यादव की पुनर्नियुक्ति की खबर के बाद समाजवादी पार्टी के स्थानीय कार्यकताओं और समर्थकों में उत्साह का माहौल है। कार्यकताओं का मानना है कि उनके नेतृत्व में नवी मुंबई के साथ-साथ कल्याण और ठाणे क्षेत्र में भी पार्टी संगठन को नई ऊर्जा मिल सकती है।

आर.एन. यादव के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने और आगामी राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए कार्यकताओं को सक्रिय करने की होगी। उनकी नई जिम्मेदारियों से आने वाले समय में समाजवादी पार्टी की क्षेत्रीय गतिविधियों में तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है।